

ख़बर संक्षेप



एसडीआरएफ ने जागृति कार्यक्रम में दिया प्रशिक्षण

रायपुर। तृतीय वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल अम्लेश्वर में सेनानी मेघा टेम्भुरकर के निर्देशन में जवानों के लिए “जागृति” कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जवानों को नशे से दूर रहने के लिए आत्मबल एवं इच्छाशक्ति को मजबूत करने के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम के दौरान राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के प्रशिक्षकों द्वारा जवानों को अग्निशमन, आग लगने की स्थिति में तत्काल बचाव एवं राहत कार्य तथा विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों से सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सेनानी मेघा टेम्भुरकर ने कहा कि पुलिस बल के जवानों के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम होना भी अत्यंत आवश्यक है।

भानुप्रतापपुर के विद्यार्थियों का कटीयू में शैक्षणिक भ्रमण



रायपुर। शासकीय महर्षि वाल्मीकि कॉलेज, भानुप्रतापपुर के पत्रकारिता विद्यार्थियों ने कटीयू रायपुर का ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण किया। वे कम्प्यूनिटी रेंडियो, टीवी स्टूडियो, कंप्यूटर लैब, निर्माणाधीन आई एवं मीडिया शोध लैब, पुस्तकालय से काफी प्रेरित और प्रभावित हुए। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान बस्तर के भानुप्रतापपुर के विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. मनोज दयाल से उनके कक्ष में संवाद किया। कुलपति प्रोफेसर दयाल ने छात्रों को पत्रकारिता एवं जनसंचार के गूढ़ मंत्रों से अवगत कराया। प्रो. दयाल ने छात्रों को नियमित समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टीवी, डिजिटल मीडिया आदि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। भानुप्रतापपुर के छात्र यहां के कुलपति प्रोफेसर डॉ मनोज दयाल, कुलसचिव सुनील शर्मा, सहायक कुल सचिव देव सिंह पाटिल सहित विभाग अध्यक्षों, शिक्षकों एवं छात्रों से मिलकर अभिप्रेरित तथा अनुप्राणित हुए। महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के शिक्षक श्रीदाम ढाली के मार्गदर्शन में इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने कम्प्यूनिटी रेंडियो संवाद 98.2 में अपना संदेश रिकॉर्ड किया।

शिवनगर में नाले की बदहाली से परेशानी



रायपुर। तात्यापारा वार्ड के हांडीपारा की गली नंबर-3 में सुलभ शौचालय के पीछे से गुजरने वाला बरसाती नाला स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। नाले की समय पर साफ-सफाई नहीं होने से क्षेत्र में गंदगी और जलभराव की स्थिति बन गई है। साथ ही गंदे पानी के ठहराव से क्षेत्र में डंगू का खतरा बना हुआ है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि नाले की सफाई के लिए वे मौखिक और लिखित रूप से नगर निगम प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उनका ये भी कहना है कि नगर निगम के जोन कार्यालय द्वारा हर घर से समय पर टैक्स की वसूली के लिए नोटिस तो दिया जाता है, पर बुनियादी सुविधाएं जैसे निकास नाली, सड़क और नाले की सफाई की ओर समुचित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

स्कूल सफाईकर्मियों का अल्टीमेटम- 30 सितंबर तक मांगें पूरी करें, नहीं तो 2 अक्टूबर से हड़ताल

प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में 43,301 अंशकालीन सफाई कर्मचारी कार्यरत

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत स्कूल सफाई कर्मचारियों ने अपने लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने और सम्मानजनक मानदेय सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा करने स्कूल सफाई कर्मचारियों ने शासन को 30 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशभर के 43 हजार से

अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने की मांग



अधिक स्कूल सफाई कर्मचारी काम ठप कर 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाएंगे। स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में राजधानी रायपुर में रखी गई है, जिसमें आंदोलन के संबंध में रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में डेढ़ दशक से कार्यरत 43301 अंशकालीन सफाई कर्मचारियों ने कलेक्टोरेट दर पर सम्मानजनक वेतन दिए जाने और अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है।

जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों की बैठक में आदिवासी क्षेत्रों में संगठन की मजबूती पर जोर

भूरिया बोले- आदिवासियों के अधिकार छीने जा रहे, कांग्रेस कर रही बड़े आंदोलन की तैयारी



हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने छत्तीसगढ़ में जल, जंगल और जमीन के अधिकारों को लेकर बड़े आंदोलन की घोषणा की है। रायपुर में आदिवासी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी और जिलाध्यक्षों की बैठक के बाद श्री भूरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में आदिवासियों से उनके संवैधानिक और प्राकृतिक अधिकार छीने जा रहे हैं, जिसके खिलाफ पार्टी अब व्यापक स्तर पर संघर्ष की तैयारी कर रही है।

आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक में आदिवासी क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने और समाज के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन की रूपरेखा तथा ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। विक्रांत भूरिया ने कहा, जल, जंगल और जमीन का विषय आदिवासी समाज के अस्तित्व से सीधे जुड़ा हुआ है। आदिवासियों के अधिकारों की इस लड़ाई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी स्वयं शामिल होकर आंदोलन की अगवाई करेंगे। कांग्रेस लगातार आदिवासियों की आवाज उठाती रहेगी।

आदिवासियों के मुद्दे पर हुई चर्चा : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासी कांग्रेस की बैठक पर कहा, आदिवासी से जुड़े जो मुद्दे हैं, उनकी जो समस्याएं हैं, उस संबंध में बैठक हुई। हमारे सभी आदिवासी समाज के नेता, कार्यकर्ता, समाज से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही। भाजपा सरकार में आदिवासी के सारे अधिकार छीन लिए गए हैं। उनकी फिर से बदहाली शुरू हो गई है, शिक्षा और स्वास्थ्य के कार्यक्रम भी अब बंद हो गए हैं।

आदिवासी मुद्दों को लेकर कांग्रेस की रणनीति पर मंथन

बैठक में प्रदेशभर से आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष शामिल हुए। कांग्रेस की ओर से आगामी दिनों में आदिवासी क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने और आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन खड़ा करने की रणनीति पर चर्चा की गई। विक्रांत भूरिया ने कहा, आदिवासी समाज के हितों और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने जल, जंगल और जमीन को आदिवासी समाज के अस्तित्व और अधिकार से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताया।

बिजली वितरण में निजीकरण के खिलाफ कांग्रेस का विरोध

बिजली सेवा पर सरकार का सीधा नियंत्रण जरूरी : बैज



हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

छत्तीसगढ़ में बिजली सप्लाई के लिए निजी कंपनियों को लाइसेंस देने और सरकारी बिजली कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के सरकार के फैसले का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली वितरण व्यवस्था में निजी कंपनियों को प्रवेश देकर सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में निजी मुनाफे को बढ़ावा देने की तैयारी कर रही है।

उन्होंने कहा, बिजली वितरण अतिआवश्यक सार्वजनिक सेवा है और इस पर सरकार का पूर्ण एवं प्रत्यक्ष नियंत्रण होना चाहिए। विद्युत वितरण प्रणाली का संचालन सीधे सरकारी तंत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बिजली वितरण से जुड़े मौजूदा नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। बिजली वितरण में लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करना जनहित में उचित नहीं है। निजी कंपनियों का

मुख्य उद्देश्य मुनाफा कमाना होगा, जबकि सरकारी बिजली व्यवस्था का प्राथमिक उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुविधा और सस्ती बिजली उपलब्ध कराना होना चाहिए।

शेयर बाजार से जोड़ना खोल सकता है निजीकरण का रास्ता

श्री बैज ने कहा, पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में सरकारी विभाग को सरकारी कंपनी में बदला गया था और अब भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार बिजली सप्लाई के लाइसेंस और सरकारी विद्युत कंपनी की हिस्सेदारी को बाजार में लाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन लिमिटेड को आमजन और संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के नाम पर 200 करोड़ रुपए तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर अथवा बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने जा रही है। उनके मुताबिक सरकारी कंपनी को शेयर बाजार से जोड़ना भविष्य में उसके निजीकरण का रास्ता खोल सकता है।

निजीकरण के प्रयासों का कांग्रेस करेगी विरोध

श्री बैज ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ की विद्युत कंपनियां आत्मनिर्भर हैं और राज्य के पास बिजली उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। राज्य में उत्पादित बिजली के वितरण की व्यवस्था सरकारी कंपनी के माध्यम से संचालित होती है। केन्द्र की मोदी सरकार पर सार्वजनिक उपकरणों को बेचने का आरोप लगाते हुए श्री बैज ने कहा, अब राज्य की विद्युत व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक इकाई को भी निजीकरण की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस इसका पुख्तोर विरोध करेगी।

साढ़े तीन साल पहले मास्टर प्लान-2031 बनाया, पहले चरण के कार्य ही अटके

नाली-सीवरेज, वाटर सप्लाई, विद्युत-संचार सुविधाओं का विस्तार भी नहीं हो पाया

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट पर आधारित मास्टर प्लान-2031 को बने साढ़े तीन वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं। नए मास्टर प्लान में शहर का दायरा बढ़ाते हुए इसमें 65 नए ग्रामों को जोड़ा गया है, जिसके तहत शहर की चारों दिशाओं के इलाकों को भी विकसित कर सर्वसुविधायुक्त बनाया जाना है।

ये दोनों कार्य दो चरणों में होने थे, जिसके पहले चरण में नाली, सीवरेज सिस्टम, वाटर सप्लाई, विद्युत एवं संचार सुविधाओं का विस्तार तथा बारिश के पानी को संचित करने समेत कई अहम कार्य किए जाने थे, लेकिन संशोधित मास्टर प्लान लागू नहीं होने की वजह से पहले चरण के कार्य ही लंबित पड़े हुए हैं। इधर मास्टर प्लान के अनुसार विकास कार्य नहीं होने से शहर में यातायात, वाटर सप्लाई, सीवरेज सिस्टम सहित अन्य सुविधाओं में भी अव्यवस्था बनी हुई है, जिसके कारण आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।



पहले चरण के कार्य 2025 तक पूरे करने का था लक्ष्य

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने नवंबर-2022 में मास्टर प्लान-2031 जारी किया था। नए मास्टर प्लान के तहत रायपुर शहर में आगामी 10 वर्षों में 30 लाख से अधिक आबादी का अनुमान लगाते हुए ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट के अनुसार विकसित करने का लक्ष्य तय किया था। इसके तहत दो चरणों में चारों दिशाओं में विकास कार्य किए जाने हैं। पहले चरण के कार्य 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य भी रखा था, जिसे पूरा करना तो दूर, कई कार्य शुरू ही नहीं हो पाए। जो कार्य शुरू हुए हैं, वे भी अधूरे पड़े हैं। पहले चरण में मुख्य रूप से जलमार्ग यानी नाली, सीवरेज, वाटर सप्लाई लाइन, मल-जल की निकासी, बारिश के पानी के उचित संचय और मैनेजमेंट, विद्युत तथा संचार सुविधाओं का विस्तार करना है। सूत्र के अनुसार, ये सभी कार्य शहर की चारों दिशाओं के इलाकों में अब तक हो जाने थे।

काली पट्टी, बैज लगाकर कार्य करते हुए सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंता कार्यालयों में आज सौंपेंगे ज्ञापन

विद्युत कंपनी में पदोन्नति कोटा घटाने पर अभियंताओं में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। 21 अगस्त को रायपुर के डगनिया मुख्यालय के गेट के सामने संघ ने गेट मीटिंग की।

इस दौरान अंबिकापुर, कोरबा, रायगढ़, मड़वा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और जगदलपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से तीनों विद्युत कंपनियों के 600 से अधिक कनिष्ठ एवं सहायक अभियंताओं द्वारा उपस्थित होकर अपनी एकजुटता एवं प्रबंधन



के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया गया। संघ की सबसे प्रमुख मांग जनरेशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में कनिष्ठ अभियंता से सहायक अभियंता पद पर विभागीय पदोन्नति का 70 प्रतिशत कोटा बहाल करने की है। संघ का कहना है कि इस कोटे को घटाकर 40 प्रतिशत किए जाने से विभागीय अभियंताओं के पदोन्नति के अवसर सीमित हो जाएंगे।

साथ ही ट्रांसमिशन कंपनी में भी 70 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति कोटा निर्धारित करने की मांग की गई है। रायपुर क्षेत्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ स्टेट के सचिव दुष्यंत कुमार टंडन ने कहा कि यदि इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो आंदोलन को चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

इतने कम मानदेय में घर का गुजारा मुश्किल

स्कूल सफाई कर्मचारियों का कहना है कि लंबे अरसे से वे बहुत कम मानदेय पर काम करते आ रहे हैं, बढ़ती महंगाई में इतने कम मानदेय पर उनका गुजारा मुश्किल हो रहा है। ऐसे में उन्हें अंशकालीन सफाई कर्मचारी की जगह पूर्णकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी का दर्जा देते हुए कलेक्टर दर पर सम्मानजनक मानदेय दिया

जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ स्कूल सफाई कर्मचारी संघ ने शासन को 30 सितंबर तक अपने लंबित मांगों को पूरा करने अल्टीमेटम दिया है। यदि 30 सितंबर तक उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर के स्कूल सफाई कर्मचारी 2 अक्टूबर से काम ठप कर प्रदेशव्यापी आंदोलन कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए प्रभारी और सहप्रभारी

बिरगांव सौरभ सिंह, रिसाली भूपेंद्र सक्न्वी, भिलाई अनुराग सिंह देव, भिलाई-चरोदा के प्रभारी होंगे नीलू शर्मा



हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न नगर निगम, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों के लिए प्रभारी एवं सहप्रभारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से जारी सूची में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा ने इन नियुक्तियों के जरिए नगरीय निकाय चुनाव में संगठनात्मक तैयारियों को गति देने और स्थानीय स्तर पर चुनावी समन्वय मजबूत करने की दिशा में

जिम्मेदारियां तय की हैं। जारी सूची के अनुसार, रायपुर नगर निगम बिरगांव के प्रभारी सौरभ सिंह, सहप्रभारी भावना बोहरा और कमल गर्ग बनाए गए हैं। दुर्ग नगर निगम रिसाली के प्रभारी भूपेंद्र सक्न्वी तथा सहप्रभारी लक्ष्मी वर्मा एवं चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी होंगे। भिलाई नगर निगम के प्रभारी अनुराग सिंह देव तथा सहप्रभारी श्वेता शर्मा एवं आशु चंद्रवंशी नियुक्त किए गए हैं। वहीं भिलाई-चरोदा नगर निगम की जिम्मेदारी नीलू शर्मा को बतौर प्रभारी तथा मीनल चौबे और सूर्यकांत राठौर को सहप्रभारी के रूप में दी गई है।

मारो नगर पंचायत के राजीव अग्रवाल प्रभारी

इसके अलावा बेमेतरा जिले की नगर पंचायत मारो के लिए राजीव अग्रवाल प्रभारी तथा अलका बाघमारे एवं अशोक साहू सहप्रभारी बनाए गए हैं। नगरपालिका जामुल में राजा पाण्डेय प्रभारी तथा डॉ. सनम जांगदे एवं देवकुमारी चंद्रवंशी सहप्रभारी होंगी। खैरागढ़ नगरपालिका में लामबंद बाफना प्रभारी तथा ओमप्रकाश जोशी एवं किरण साहू सहप्रभारी नियुक्त किए गए हैं। नगरपालिका सारंगढ में रजनीश सिंह प्रभारी तथा उमेश अग्रवाल एवं पूष्प सोलंकी सहप्रभारी होंगे।

राज्य अजजा आयोग में नई नियुक्तियां चौहान बने अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग में नई नियुक्तियों की हैं। अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार रामलाल चौहान को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं देवकरण मनहरे को उपाध्यक्ष

बनाया गया है। आयोग में तीन सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। इमें सोमसिंह जागृत दुर्ग, दुर्गा महेश्वर बलीदाबाजार - भाटापारा और दयावंत धर बांधे बेमेतरा शामिल हैं। शासन

की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि ये नियुक्तियां छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई हैं। आदेश के अनुसार नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से आयोग के प्रभार पर्यन्त पद धारण करेंगे। राज्य सरकार की इस नियुक्ति से अनुसूचित जनजाति वर्ग से जुड़े मामलों, अधिकारों और हितों के संरक्षण के लिए आयोग के कामकाज को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

ये रहे उपस्थित

प्रदर्शन करने वालों में संघ के पदाधिकारी प्रांतीय अध्यक्ष श्रीकांत बड़गैया, प्रांतीय महासचिव दीपक कुमार निकुंज, बीबी जायसवाल, महेश्वर टंडन, वीके खांडेकर, अविनाश दुबे, सूरजेंद्र गुप्ता, नितिन वर्मा, पीएल माहेश्वरी, राजेंद्र निरी गोस्वामी, गुलाब राम साहू, चंद्रेश कुमार पाठकर, आभिर उल्ला खान, शैलेष पाटेल, मुकेश मरावी, अभिजीत मावलंकर, सीमा बघेल, श्रद्धा दिल्लीवार, भरथरी कुरं, शैलेंद्र दुबे, श्वेता वर्मा, अभिषेक साहू तथा विधि सलाहकार अभिषेक राठी, अक्षय दौवान, इंजी. मिनेश साहू, सत्तार बेग, दुष्यंत कुमार टंडन आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

ख़बर संक्षेप



महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव
रायपुर। श्री खादू वाले श्याम महिला समिति को पदाधिकारियों ने सावन उत्सव मनाया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के गीत-संगीत, नृत्य प्रतियोगिता, तंबोला का आयोजन किया गया। सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्पर्धा में सभी ने पार्टिसिपेट किया और विनर को गिफ्ट भी दिया गया। यह कार्यक्रम किरण वाधवानी, राधा शर्मा, ममता तिवारी, अर्चना ईंगुलकर के मार्गदर्शन में किया गया।

निधन

निखिल टेंगुरकर

रायपुर। रमन मंदिर वार्ड चुनावभट्टी निवासी निखिल टेंभुरकर का 26 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 अगस्त को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।
शंकर लक्ष्मण अगस्ती
रायपुर। साईं मंदिर के पास, वल्लभनगर निवासी शंकर लक्ष्मण अगस्ती का 25 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 अगस्त को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे अमेय अगस्ती के पिता थे।

रूपदास पनिका

रायपुर। न्यू शांतिनगर निवासी सेवानिवृत्त सहायक अभियंता रूपदास पनिका (89) का 25 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 अगस्त को महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे ललित मानिकपुरी, ललितला, लक्ष्मी, लता, कृष्णा के पिता तथा पत्रकार त्रिलोचन मानिकपुरी के ससुर थे।

दीपक रोहड़ा

रायपुर। सेक्टर-3 शिवानंद नगर निवासी दीपक रोहड़ा (41) का 25 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26

अगस्त को कोटा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. रामचंद्र रोहड़ा के पुत्र और अमित, अजीत रोहड़ा के भाई थे।

विमला देवी झा

रायपुर। मैदान पथ, चौबे कॉलोनी निवासी विमला देवी झा (97) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 अगस्त को दोहरा

2 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुधीर झा, आभा, आरती, अनुभा की माता थीं।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 2026080112800009 दिनांक: - अ-20(3) - सन 2025-2026
मालों की श्रेणी - रायस्व
रायपुर गृह.नं. 00062 (हैं।) पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार संजु कुमार निगदर पिता स्व. गोपबन्धन निगदर .आनवेदक पक्षकार गोपबन्धन निगदर
इष्टतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौज़ा पेशनबाड़ा रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजु कुमार निगदर पिता स्व. गोपबन्धन निगदर, निवासी- पेशनबाड़ा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छत्तीसगढ़ गृ. राज्यस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 109, 110 के तहत फ़ौजी नानातण बराबत आवेदन पत्र किया है कि मौज़ा पेशनबाड़ा स्थित मौज़ा नंबर-116, मुश्कण्ड क्रमांक-09 रुकबा 743 वर्गफुट भूमि संयुक्त रूप से आवेदक एवं उनकी बही माँ उर्मिला बाई पिता स्व. धिराजी के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है। उर्मिला बाई पिता स्व. धिराजी की मृत्यु दिनांक 11/11/2018 को अधिवाहिन हो गया है, जिसके वारिसन में आवेदक के अतिरिक्त अन्य कोई उत्तराधिकारी नहीं है। अतएव आवेदक द्वारा वारिसन हक के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ मौजू प्रमाण पत्र की छात्रावलि संलग्न कर प्रस्तुत किया है। अतएव उक्त संकेप में जिस किसी को कोई आपत्ति दवा हो तो अपना आपत्ति दवा पेसी दिनांक 04/09/2026 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कान्स्ट्रक् नज़ूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-21 में स्वयं या बंध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति दवा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इष्टतहार मे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/08/2026 को जारी किया जाता है।
NAVIN KUMAR THAKR NIZUL ADIKARI THAKR रायपुर
मुहर

एटीआर में पांच बाधिन के दर्जनभर शावक, टेरिटरी की तलाश, बफर जोन में चहलकदमी कर रहे टाइगर

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

अचानकमार टाइगर रिजर्व एक बार फिर अपने पुराने वैभव में लौटने लगा है। एटीआर में वयस्क बाघों की संख्या 18 के करीब पहुंच गई है। 18 वयस्क बाघ में से पांच बाधिन के एक दर्जन से ज्यादा शावक होने की सूत्रों ने जानकारी दी है। बाघों की बढ़ती आबादी को देखते

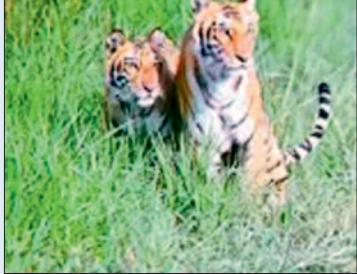
हुए अचानकमार टाइगर रिजर्व की सुरक्षा और बढ़ाने की जरूरत है।

वर्ष 2023 में अचानकमार टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या महज पांच थी। प्रे-बेस की व्यवस्था करने तथा सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की वजह से बाघों की संख्या महज तीन साल

पहले से ज्यादा आक्रामक हुई बाधिन

युवक की मौत के बाद मांद के पास लोगों द्वारा पथराव किए जाने से बाधिन पहले से ज्यादा आक्रामक हो गई है। एटीआर प्रबंधन ने लोगों को बाघ विचरण क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की है। बाघ विचरण क्षेत्र में बगैर अनुमति प्रवेश करने वालों के खिलाफ एटीआर प्रबंधन ने कार्रवाई की घटनाएँ सामने आ रही हैं।

बाघों की सुरक्षा के लिए करना होगा इंतजाम



सुरक्षा के लिए बदलते रहते हैं जगह

मादा बाघ अपने शावकों की सुरक्षा के लिए हर समय चौकन्नी रहती है, इसलिए बिग कैट प्रजाति के वन्यजीव अपने शावक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टेरिटरी बदलते रहते हैं। यही कारण है कि एटीआर के बाघ अब कीर एरिया से निकलकर बफर जोन में प्रवेश कर रहे हैं। वहीं बफर जोन में हर दूसरे दिन पालतू मवेशियों की शिकार की घटनाएँ सामने आ रही हैं।

गश्त बढ़ाने की जरूरत

अचानकमार टाइगर रिजर्व 914 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है, इनमें से सवा छह सौ किलोमीटर का क्षेत्रफल कोर एरिया में शामिल है, जहां किसी को जाने की अनुमति नहीं है। 228 वर्ग किलोमीटर बफर जोन में शामिल है। बफर जोन में वो 17 गांव भी शामिल है, जिन्हें एटीआर से निकालकर किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जाना है। बफर जोन के गांव जल्द से जल्द शिफ्ट करने के साथ ही क्षेत्र में फॉल्ड स्टॉफ की संख्या बढ़ाने और बाघों की सुरक्षा के लिए गश्त बढ़ाने की जरूरत है।

88.67 फीसदी जलभराव, 12 प्रमुख जलाशयों में 90.02 फीसदी पानी

खारंग, कोडार, मनियारी समेत 9 बांध लबालब सावन की झड़ी से पानी की आवक बढ़ी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

सावन के महीने में लगातार हो रही बारिश से बांधों में जलभराव की स्थिति बेहतर बनी हुई है, जो प्रदेश के प्रमुख, मध्यम और महत्वपूर्ण जलाशयों की कुल क्षमता का 88.67 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी तारीख को जलाशयों में 5286.48 मिलियन घनमीटर पानी था, जो कुल क्षमता का 83.12 प्रतिशत था।

वहीं वर्ष 2024 में इसी अवधि में 5508.75 मिलियन घनमीटर यानी 86.61 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया था। इस तरह वर्तमान वर्ष में जलाशयों की स्थिति पिछले दोनों वर्षों की तुलना में बेहतर है। प्रदेश में 9 बांध लबालब हो गए हैं। इनमें खारंग, कोडार, मनियारी, कोसारटेड, बल्लार, घोधा, खामरपाकुट, केशवा और कुंवरपुर बांध पूरी तरह से भर गए हैं। कैचमेंट एरिया से पानी के आवक पर सिंचाई विभाग नजर रहा है। प्रदेश के 12 प्रमुख जलाशयों की कुल क्षमता 5355.709 मिलियन घनमीटर है। इनमें 4821.112 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है, जो 90.02 प्रतिशत जलभराव के बराबर है। वर्ष 2025 में इसी अवधि में प्रमुख जलाशयों में 87.02 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 83.21 प्रतिशत जलभराव था। प्रमुख जलाशयों में खारंग जलाशय, कोडार तथा मनियारी जलाशय 100 प्रतिशत क्षमता तक भरे हुए हैं। मुरूमसिल्ली में 97.74 प्रतिशत, मिनीमाता बांगो में 92.96 प्रतिशत और रविशंकर सागर में 89.57 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है।



मध्यम जलाशयों में 81.49 फीसदी जलभराव

प्रदेश के 34 मध्यम जलाशयों की कुल लाक्ष क्षमता 1004.519 मिलियन घनमीटर है। इनमें 818.622 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है, जो 81.49 प्रतिशत है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 84.44 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 82.60 प्रतिशत था। मध्यम जलाशयों में कई जलाशय लगभग पूरी क्षमता तक भर चुके हैं। कोसारटेड, बल्लार, घोधा, खामरपाकुट, केशवा और कुंवरपुर जैसे जलाशयों में 100 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। वहीं पारलकोट में 43.51 प्रतिशत और मरोड़ा जलाशय में 48.59 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। हालांकि अरपा-भिसाह्वार बैराज में जलभराव 20.06 प्रतिशत रहा, जबकि कैलो जलाशय में 51.83 प्रतिशत और दुश्वा जलाशय में 80.35 प्रतिशत पानी उपलब्ध है।

सिंचाई और जल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण स्थिति

जलाशयों में पर्याप्त जलभराव से खरीफ फसलों के लिए सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। साथ ही आगामी रबी सीजन के लिए भी जल उपलब्धता बेहतर रहने की संभावना है। हालांकि अलग-अलग जलाशयों में जलभराव की स्थिति में अंतर होने के कारण स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन और जलनिकासी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

केदार नाला में 160 और पुतका नाला में 71 वयूसेक निकासी

प्रदेश के जलाशयों में जलभराव की स्थिति मजबूत होने के साथ ही कई बांधों पानी की निकासी की जा रही है। इनमें केदार नाला जलाशय से 160 वयूसेक और पुतका नाला से 71 वयूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं खारंग जलाशय से 40, घोधा जलाशय से 31, खामरपाकुट से 13, मनियारी से 6, जबकि हनुमका और गेज टैंक से 5.20-5.20 वयूसेक पानी की निकासी दर्ज की गई है। इसके अलावा पैदावन से 3.80, बेहराखार से 2, मिनीमाता बांगो, कोरबा से स्पिलवे के माध्यम से 1.20 वयूसेक और कुंवरपुर, सरगुजा से 1 वयूसेक पानी छोड़ा गया है। जलाशयों में पर्याप्त जलभराव को देखते हुए निकासी और जल प्रबंधन की लगातार निगरानी की जा रही है।

बिजनेस साइट सिटी

31 अगस्त को उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क एंडोस्कोपी जांच शिविर, पूर्व पंजीयन अनिवार्य

रायपुर। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल भाठागांव में 31 अगस्त को निशुल्क एंडोस्कोपी जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। हॉस्पिटल प्रबंधन के अनुसार गंभीर पेट रोगों के उपचार के लिए 24 घंटे सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में एंडोस्कोपी जैसी महंगी जांच प्रत्येक माह निशुल्क किए जाने का दावा किया गया है। प्रबंधन ने बताया कि जांच के लिए सीटें सीमित हैं, इसलिए मरीजों को पूर्व पंजीयन कराना



अनिवार्य होगा। गंभीर पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद सिंह, डॉ. सन्नी उत्तमानी और सर्जन

प्रवेश शुक्ला ने बताया कि लंबे समय तक गैस, एसिडिटी, पेटदर्द व जलन, बार-बार उल्टी या मितली, खाना निगलने में परेशानी, लगातार डकार, पेट भारी रहना, भूख कम लगना, मुंह में कड़वा स्वाद, एसिड का ऊपर आना और खाना न पचना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके अलावा खून की उल्टी, मल में खून या मवाद, मल त्याग में परेशानी और सीने में दर्द जैसे लक्षण भी गंभीर हो सकते हैं।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 2026080112800009 दिनांक: - अ-20(3) - सन 2025-2026
मालों की श्रेणी - रायस्व
रायपुर गृह.नं. 00062 (हैं।) पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार संजु कुमार निगदर पिता स्व. गोपबन्धन निगदर .आनवेदक पक्षकार गोपबन्धन निगदर
इष्टतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौज़ा पेशनबाड़ा रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजु कुमार निगदर पिता स्व. गोपबन्धन निगदर, निवासी- पेशनबाड़ा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छत्तीसगढ़ गृ. राज्यस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 109, 110 के तहत फ़ौजी नानातण बराबत आवेदन पत्र किया है कि मौज़ा पेशनबाड़ा स्थित मौज़ा नंबर-116, मुश्कण्ड क्रमांक-09 रुकबा 743 वर्गफुट भूमि संयुक्त रूप से आवेदक एवं उनकी बही माँ उर्मिला बाई पिता स्व. धिराजी के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है। उर्मिला बाई पिता स्व. धिराजी की मृत्यु दिनांक 11/11/2018 को अधिवाहिन हो गया है, जिसके वारिसन में आवेदक के अतिरिक्त अन्य कोई उत्तराधिकारी नहीं है। अतएव आवेदक द्वारा वारिसन हक के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ मौजू प्रमाण पत्र की छात्रावलि संलग्न कर प्रस्तुत किया है। अतएव उक्त संकेप में जिस किसी को कोई आपत्ति दवा हो तो अपना आपत्ति दवा पेसी दिनांक 04/09/2026 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कान्स्ट्रक् नज़ूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-21 में स्वयं या बंध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति दवा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इष्टतहार मे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/08/2026 को जारी किया जाता है।
NAVIN KUMAR THAKR NIZUL ADIKARI THAKR रायपुर
मुहर

तस्वीरों ने जीता दिल, गोकुल बने फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट के स्टार

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट दूसरा संवाद-2026 के समापन के बाद बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों के विजेताओं की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में फेस्ट का समापन हुआ था। प्रतियोगिता में फोटो जर्नलिस्टों की उत्कृष्ट तस्वीरों की प्रदर्शनी के साथ विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी वख्य अकादमी के उपाध्यक्ष शशांक शर्मा, प्रसिद्ध वाह्डर ए एवं नेवर फोटोग्राफर अभिनंदन तिवारी तथा फोटोग्राफी प्रशिक्षक भीष्म यादव शामिल रहे। निर्णायकों ने अपने-अपने आँखदेखन की मदद कर तस्वीरों का मूल्यांकन किया और प्राप्त अंकों की कुल रैंकिंग के आधार पर विजेताओं का चयन किया। समाचार एवं लोक संस्कार कैटेगरी में वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट गोकुल सोनी की



टैकर ब्लास्ट की तस्वीर ने प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर मनोज देवांगन, किशन लोखंडे और हेमंत गोस्वामी संयुक्त रूप से हिज्जेता रहे। तृतीय स्थान हीरा मानिकपुरी और जय गोस्वामी को संयुक्त रूप से मिला। प्रकृति एवं पर्यावरण कैटेगरी में भी गोकुल सोनी की बस्तर के जंगल पर आधारित तस्वीर प्रथम रही। द्वितीय स्थान राजकुमार चतुर्वेदी की 'भालुओं की अठखेलियां' और मनोज देवांगन की साप की बाँधी तस्वीर को संयुक्त रूप से मिला। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

→ मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल →

उपचार सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्जल एवं सीसीसेशन हिस्तीरी
- एच वक्टोमी का ऑपरेशन न सखंडी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसेल, सरकम सीजन की सुविधा

आयुज्मान काँड और CSEB से कैशलेस उपचार,

TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीवीएस, एनजी) शिवा एवं बाबय रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीवीएस, जी.ओ.सी) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
एकमा नगर, अमरेश्वर चौर के पास, सुबिहारी रायपुर
नांव : मातृ स्मृति नंगल बाजार, माकनी मॉडरि के सामने, सुबिहारी, रायपुर

भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
लेजर रोग विशेषज्ञ

फेकी रोगों एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MGS नसक | **आंखों की सूखती नस का इलाज**

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निर्दंकारी सर्जिंग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 📞 **07714024989 | 9329124989**

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

डॉ. फाफाडी, टिन्वर मार्केट रोड, रायपुर

☎ 9827144197, 9827144777

मूत्र रोग एवं सर्जरी

किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

यौन संबंधी समस्याएं

गर्जिलॉजी में पेशावर स्टीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrology & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

पाइल्स

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मससे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वसों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

११ सरस्वती दात मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर । ११ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडी मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

स्काईवॉक निर्माण की समयसीमा डेढ़ महीने पहले समाप्त हो चुकी, 50 प्रतिशत काम अब भी बाकी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी रायपुर में जयस्तंभ चौक के पास से जेलरोड तक निर्माणाधीन 1500 मीटर स्काईवॉक का निर्माण इतना धीमी गति से चल रहा है कि वर्कआउट की अंतिम तारीख खत्म होने के डेढ़ महीने के बाद भी अब तक लगभग 45 से 50 प्रतिशत काम ही हो पाया है। वहीं 50 से 55 प्रतिशत काम बाकी है।

वर्कआउट के अनुसार, अप्रैल 2026 तक अधूरे स्काईवॉक का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना था, लेकिन काम में हो रही देरी के कारण टेंडर की अवधि खत्म हुए भी डेढ़ महीने बीत चुके हैं। इधर सूत्रों की मानें तो लोक निर्माण विभाग ने टेंडर की अवधि बढ़ा दी है। इसके बाद भी स्काईवॉक का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है।

करीब डेढ़ महीने के बाद चढ़ा एक गर्डर



हरिभूमि सरोकार

स्काईवॉक का निर्माण कितनी धीमी गति से चल रहा है, इसका ताजा उदाहरण दो दिन पहले देखने को मिला। निर्माण एजेंसी ने करीब डेढ़ माह पहले एक गर्डर को चढ़ाने के लिए शार्त्री चौक के पास डीकेएस हॉस्पिटल के बगल में लाकर डंप किया था। शार्त्री चौक पर ही अस्थायी रूप से वर्कशॉप में मौजूद कर्मचारियों ने बताया था कि यह गर्डर एक सप्ताह के भीतर तैयार कर चढ़ा दिया जाएगा, लेकिन इस गर्डर को दो दिन पहले ही चढ़ाया गया। इस तरह एक गर्डर को चढ़ाने में करीब डेढ़ माह का वक़्त लग गया।



गर्डर के कारण ट्रैफिक पर पड़ा असर

गर्डर के शार्त्री चौक के पास डंप होने के कारण इसका असर ट्रैफिक व्यवस्था पर भी पड़ा। शार्त्री चौक मार्ग शहर का प्रमुख एवं सबसे व्यस्ततम सड़कों में से एक है। ऐसे मार्ग पर गर्डर डेढ़ महीने तक डीकेएस हॉस्पिटल के बगल रोड पर डंप रहा, जिसके कारण इस मार्ग पर दिनभर में कई बार ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनती रही। इस कारण वाहन से आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इस तरह के कई काम अभी भी बाकी

कचहरी चौक, आंबेडकर अस्पताल चौक और शार्त्री चौक पर गर्डर चढ़ाए जा चुके हैं, वहीं अभी भी कुछ जगहों पर गर्डर चढ़ाया जाना बाकी है। वहीं कुछ जगह सीढ़ी भी बन नहीं पाई है। इसके अलावा एस्केलेटर, लिफ्ट, रोटरी तथा ऊपरी हिस्से की वेंटिलिंग, सॉट सहित अन्य काम भी बचे हुए हैं। पैदल यात्रियों के लिए जरूरी कनेक्टिविटी वाले हिस्से भी अधूरे हैं।

लेटलीफी के बावजूद एजेंसी पर कार्रवाई नहीं

ठेका एजेंसी द्वारा स्काईवॉक निर्माण पूरा करने समयसीमा का ख्याल नहीं रखा गया। अनुबंध के अनुसार समयसीमा खत्म हुए डेढ़ महीने से अधिक हो चुके हैं, वहीं काम पूरा होने में अभी भी लगभग 6 महीने या उससे भी अधिक दिन लगने की संभावना है। ऐसे में निर्माण एजेंसी पर विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने से कई सवाल उठ रहे हैं।

शिक्षक संघ को आश्वासन, शिक्षामंत्री से मुलाकात में फैसला

मध्यप्रदेश की तर्ज पर सेवारत शिक्षकों के लिए विभागीय टेट, साल में 3 बार परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के साथ हुई बैठक में शिक्षा मंत्री ने विभागीय टेट आयोजित कराने पर सहमति जताई है। बैठक में शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों से कहा, सरकार शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित योग्यता के दायरे में शिक्षकों को लाने के लिए विभागीय परीक्षा आयोजित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी। वर्ष में 3 बार सेवारत शिक्षकों के लिए विभागीय टेट परीक्षा आयोजित करने पर बनी सहमति दी गई। यह परीक्षा सामान्य टेट से अलग विभागीय स्तर पर शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कराई जाएगी। गौरतलब है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन व्यापम करता रहा है।

परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को बनाने के सुझाव पर सहमति प्रदान की गई, न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 अंक को रखने का सुझाव दिया गया है। शिक्षक संघ के अनुसार, पूर्व नियमों के आधार पर वेटिंग सूची से प्राचार्य पदोन्नति देने, ई संवर्ग के व्याख्याता पर पदोन्नति, प्रधान पाठक पर वरिष्ठता आधारित पदोन्नति के लिए रास्ता निकालने पर सहमति व्यक्त की गई है। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर पुरानी पेंशन तथा शिक्षक एलबी संवर्ग को समस्त प्रकार के देय लाभ, शिक्षक संवर्ग में व्याप्त चेतन विसंगति के संदर्भ में भी शिक्षक संघ ने अपनी मांगें रखीं।



परीक्षा सामान्य टेट से अलग विभागीय स्तर पर शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कराई जाएगी

शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन व्यापम करता रहा है

2028 तक समय

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी है। शिक्षकों को इसके लिए 2028 तक का समय दिया गया है। सीबीएसई ने इसे देखते हुए 6 सितंबर को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा स्थगित कर दी है। अब इसके लिए दोबारा आवेदन मंगाए जा रहे हैं। नई तिथि पुनः घोषित की जाएगी। मप ने भी वर्ष में तीन बार टेट आयोजित करने का निर्णय लिया है, ताकि शिक्षकों को अधिक से अधिक मौके मिल सकें।

हड़ताल फिलहाल स्थगित

25 अगस्त को शिक्षकों ने सभी जिलों में टेट मुक्ति रैली निकाली थी। इस दौरान प्रदेशभर के शासकीय विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित रही। शिक्षा मंत्री से मिले आश्वासन के बाद विरोध प्रदर्शन अथवा हड़ताल को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय संयोजक संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे व केदार जैन ने कहा, उम्मीद है कि सरकार अपने आश्वासन का जल्द से जल्द क्रियान्वयन करेगी। शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित होना सबसे महत्वपूर्ण है और सरकार को इस दिशा में ठोस जल्द कदम उठाना चाहिए। शिक्षक नेताओं के मुताबिक बैठक में उनकी सभी मांगें प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि संगठन अपनी मांगों को लेकर गंभीर हैं और जरूरत पड़ने पर आगे भी सरकार और शिक्षा मंत्री के सामने अपनी बात रखते रहेंगे।

खबर संक्षेप

जोन दफ्तर के पास नाली का गंदा पानी ओवरफ्लो



रायपुर। रायपुर नगर निगम जोन-4 क्षेत्र के मोतीबाग पानी टंकी स्थित जोन दफ्तर के बाजू से बैजनाथपारा सड़क पर बुधवार को नाली का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर घंटों बहता रहा। इससे इस मार्ग से आने-जाने वालों को ख़ासी परेशानी उठानी पड़ी। लोगों का कहना है कि नाली सफाई में ध्यान नहीं दिए जाने से बारिश होते ही इस मार्ग में जलभराव की समस्या रहती है। उन्होंने जोन-4 कमिश्नर से भी इसकी शिकायत की है। दरअसल, मोतीबाग चौक से एवरग्रीन चौक बैजनाथ पारा मार्ग पर नाली जाम होने से बंदबूदर गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने से लोगों को परेशान होना पड़ा। प्रमुख मार्ग की नाले व नालियों की सफाई समय पर नहीं होने से यहां जलभराव की स्थिति निर्मित हुई। मंगलवार की रात से इस मार्ग पर नाली का बंदबूदर गंदा पानी भरने से लोगों की आवाजाही प्रभावित रही। जोन अध्यक्ष मुस्ली शर्मा ने कहा कि जलभराव की समस्या दूर करने नाली की सफाई कराई जाएगी।

नेपाल में बाढ़, प्रशासन ने जारी किया हेलपलाइन नंबर

रायपुर। नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर रायपुर जिला प्रशासन ने हेलपलाइन नंबर जारी किए हैं। प्रशासन ने हेलपलाइन नंबर जारी करते हुए रायपुर सहित प्रदेशवासियों से अपील की है कि अगर प्रदेश के किसी भी जिले में रहने वाले लोगों के परिचित या परिजन अगर नेपाल बाढ़ में फंसे या लापता हुए हैं तो तत्काल इसकी सूचना हेलपलाइन नंबर पर दें। प्रशासन हरसंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास करेगा।

राजधानी के पारंपरिक बाजारों को ‘स्मार्ट’ बनाने महापौर से कैट की चर्चा



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी के पारंपरिक बाजारों में आम जनता की मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने और उसे स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन ने महापौर मीनल चौबे से मुलाकात कर सुझावों के साथ ज़ापन सौंपा। कैट के नेशनल वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सरस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंह देव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद से ने सुविधा अग्रिमशन

- बिजली की तारों को व्यवस्थित करने, महिला-पुरुष शौचालय की सुविधा उपलब्ध करने की मांग

रायपुर शहर के पारंपरिक एवं प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों को आधुनिक, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं व्यापार-अनुकूल स्मार्ट बाजार बनाने

महापौर संग गांधी सदन में बैठक हुई। श्री पारवानी के नेतृत्व में हुई बैठक में शहर के बाजारों की मूलभूत सुविधाओं एवं व्यापारियों तथा आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई।

बैठक में व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर के बाजारों में बेहतर सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था मजबूत बनाने के साथ ही बाजार क्षेत्रों में पार्किंग की सुविधा बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही आपात स्थिति में बाजारों को अग्नि दुर्घटना से बचाने अग्रिमशन

हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी : महापौर

महापौर मीनल चौबे ने कहा, प्रशासन जो नरेंद्र मोदीजी ने देश के पारंपरिक बाजारों स्थानीय व्यापार तथा छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को सशक्त बनाने और वोक्ल फॉर लोकल की भावना को आगे बढ़ाने पर निरंतर जोर दिया है। इसी सोच के अनुरूप हमारे पारंपरिक बाजारों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए उनकी पहचान, विरासत और व्यापारिक महत्व को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कैट द्वारा रायपुर के पारंपरिक एवं प्रमुख बाजारों को स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित करने संबंधी सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक हैं। रायपुर नगर निगम और कैट मिलकर इस दिशा में आगे कार्य करेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि रायपुर के पारंपरिक बाजारों को आधुनिक, सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक स्वरूप दिया जाए, ताकि व्यापारियों के साथ-साथ बाजारों में आने वाले नागरिकों और वाहकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें। प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने विश्वास व्यक्त किया कि नगर निगम के सहयोग से रायपुर के पारंपरिक एवं प्रमुख बाजारों को स्वच्छ, सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं व्यापार-अनुकूल स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। महापौर से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल में अमर पारवानी, विक्रम सिंह देव, परमानंद जैन, अवनीश सिंह, राम मधान, भरत जैन, शंकर बजाज, दीपक विद्यानी, कन्हैया गुप्ता, प्रेम पांडुजा, गोविंद माहेश्वरी, बलराम रोहड़ा एवं कुशल रोहड़ा शामिल रहे।

ट्रांसपोर्ट गाड़ियों की जीपीएस सिस्टम से मॉनिटरिंग

नान के गोदाम में अब नए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, रुकेगी गड़बड़ी



मंदिर हसौद स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम में नए कैमरे लगे

मंडारण में आएगी पारदर्शिता, सुरक्षा भी होगी पुख्ता

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम में पिछले कई वर्षों से सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े थे, वहीं उचित मूल्य की दुकानों में जिन ट्रांसपोर्ट एजेंसियों की गाड़ियों से खाद्यान्न की सप्लाई की जा रही थी, उनकी निगरानी भी नहीं हो पा रही थी, जिससे चावल की गड़बड़ी की हमेशा संभावना बनी हुई थी।

हरिभूमि ने लाइव रिपोर्टिंग के जरिए इस खबर को प्राथमिकता के साथ प्रकाशित किया था। इस खबर का असर संचालनालय तक हुआ और इस मामले में सख्ती दिखाते हुए विभाग ने गोदाम में न केवल नए सीसीटीवी कैमरे लगवाए, बल्कि जिन गाड़ियों से खाद्यान्न की सप्लाई की जा रही है, उनकी निगरानी भी अब जीपीएस सिस्टम के जरिए कराई जा रही है।

जीपीएस सिस्टम से ट्रांसपोर्ट गाड़ियों पर नजर

गोदाम से राशन दुकानों में ट्रांसपोर्ट एजेंसी की गाड़ियों के माध्यम से चावल की सप्लाई की जाती है। मंदिर हसौद से हर दिन कितनी गाड़ियां रोक पर लगाई जा रही हैं, कितनी गाड़ियां दुकानों में पहुंच रही हैं। इस पर निगरानी के लिए अब गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम को एक्टिव किया गया है। इस तरह गोदाम से निकली गाड़ी दुकान जाने वाले रूट पर जा रही है या नहीं, जाने-आने में कितना समय लग रहा है, इसकी भी मॉनिटरिंग की जा रही है।



चार साल से खराब सीसीटीवी कैमरे अब बदले गए

नागरिक आपूर्ति निगम के मंदिर हसौद गोदाम में पिछले करीब 4 साल से सीसीटीवी कैमरे टूट-फूटकर खराब पड़े हुए थे। इन कैमरों को न ही सुधारा जा रहा था और न ही बदले में नए कैमरे लगाए जा रहे थे। विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिस एजेंसी से कैमरे लगवाए गए थे, उसका अनुबंध खत्म हो गया है, जिसके कारण इन बंद पड़े कैमरों को सुधारा नहीं गया। हालांकि इनमें कई कैमरे तो टूट-फूट चुके हैं, वहीं केबल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस कारण विभाग के अधिकारी से लेकर गोदाम के प्रभारी तथा तकनीकी अधिकारी भी इन कैमरों को सुधारने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे।

कैमरे बंद होने से गड़बड़ी और चोरी की थी आशंका

सीसीटीवी कैमरे बंद होने के कारण गोदाम में खाद्यान्न में गड़बड़ी किए जाने से लेकर चोरी होने तक की भी आशंका बनी हुई थी। नागरिक आपूर्ति निगम संचालनालय में नए अधिकारियों को प्रभार मिलने के बाद सीसीटीवी कैमरों के मामले को गंभीरता से लिया गया और संबंधित अधिकारी को तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद गोदाम में सुरक्षा की दृष्टि से नए कैमरे लगाए गए हैं।

कैमरों से निगरानी की जा रही

मंदिर हसौद नान गोदाम में सुरक्षा के लिए नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जीपीएस सिस्टम से गाड़ियों की निगरानी की जा रही है। - कामनी मिश्रा, नोडल अधिकारी, नान, रायपुर

जेल बंदियों को राखी बांधने मिली सात घंटे की मोहलत

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

जेल में रक्षाबंधन मनाने जेल प्रशासन ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बंदियों को उनकी बहनें सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही राखी बांध सकेंगी। जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए ऐसा निर्णय



■ सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक समय निर्धारित

उन्हें अपने साथ मोबाइल, पर्स, पैसे एवं कीमती सामान नहीं लाने हिदायत दी गई है। उक्त सामानों को जेल में जमा करने की कोई

जेल प्रशासन के दिशा-निर्देश के मुताबिक, बंदियों को राखी बांधने वाली बहनों को अपने साथ पहचानपत्र रखना अनिवार्य होगा, जिसकी जांच के पश्चात ही उन्हें जेल परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। बहनों द्वारा दी जाने वाली मिठाई की जांच-पड़ताल की जाएगी। एक बंदी के लिए मात्र 100 ग्राम तक मिठाई लाने की अनुमति रहेगी। मिठाई के अलावा अन्य किसी प्रकार के खाद्य पदार्थ ले जाने पर रोक लगाई गई है। साथ ही

व्यवस्था भी नहीं की गई है। जरूरत पड़ने पर तीन जगह तलाशी

सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता पड़ने पर जेल प्रवेश के पूर्व तीन जगह महिला कर्मचारियों द्वारा तलाशी ली जा सकती है। तलाशी को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाकर जेल प्रशासन को सहयोग करने अपील की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक बंदी को राखी बांधने केवल तीन बहनों को प्रवेश दिया जाएगा।

online Booking:- www.tripuryatra.com

सुविधा-व्यादा,सबसे कम राशि पर

स्लीपर मात्र 18,500/-

15 दिन

चार धाम यात्रा

श्री केदारनाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री

श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश

श्री त्रिपुरीनारायण

अन्य दर्शन-खसी विहवन, पंच प्रयाग दर्शन (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), मन्न गैंग (भरत का अंतिम गैंग), छठी देवी, चोपल

26 सितम्बर, 10 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 2026, 02 मई 2027

राशि-स्लीपर **₹ 500/-**, 3 एसी- **26,500/-**, 2 एसी- **30,500/-** (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

संपर्क करें:- **7354-411411**

लाइव इवेंट

विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा के प्रति अपनी प्रतिभा का भी किया प्रदर्शन



रायपुर। सरस्वती ज्ञान मंदिर में प्रति वर्षानुसार 25 से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस कड़ी में सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन भी किया गया। संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा के प्रति अपनी प्रतिभा एवं रुचि का सुंदर प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा संस्कृत गीत, कविता एवं श्लोकों का सस्वर वाचन किया गया, जिसने आयोजन में सभी लोगों को मंत्रमुग्ध किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर संस्कृतमय वातावरण से गुंज उठा। संस्कृत भाषा के महत्व एवं भारतीय संस्कृति में उसके योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कृत समृद्ध ज्ञान, संस्कृति एवं परंपरा की महत्वपूर्ण संवाहक भाषा है।

विद्यार्थियों को प्राप्त हो रहा यादगार अवसर

संस्कृत सप्ताह के माध्यम से विद्यार्थियों ने संस्कृत के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मिथलेश सहित शिक्षिकाओं में छाया तिवारी, पूर्वा यादव, जया साहू, उकेश साहू, भारती साहू, मीना साहू, किरण साहू, पूजा प्रधान, मनीष साहू एवं भगती साहू शामिल हुईं। उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता, संस्कृत गीतों एवं श्लोकों की मनोहारी प्रस्तुतियों के कारण हर्षोल्लास के साथ ही यादगार अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त हो रहा है। संस्कृत सप्ताह के आगामी दिनों में भी विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य संस्कृत और संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों को सजग करना है।

सिटी इवेंट

बस्तर अंचल के विद्यार्थियों ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय का किया शैक्षणिक भ्रमण



रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इसके तहत शासकीय महर्षि वाल्मीकि कॉलेज भानुप्रतापपुर के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान बस्तर अंचल से आए विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की वारीकियों को समझा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दयाल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि सकारात्मक और निष्पक्ष पत्रकारिता ही एक सशक्त व नए समाज का निर्माण कर सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे मीडिया क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता को निखारें और समाचार पत्र, टीवी, रेडियो तथा डिजिटल मीडिया का नियमित तुलनात्मक अध्ययन करें। भ्रमण में विद्यार्थियों ने केटीयू के टीवी स्टूडियो, कम्प्युनिटी रेडियो, कंप्यूटर लेब, पुस्तकालय और निर्माणाधीन एआई व मीडिया रिसर्च लेब का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल, कुलसचिव सुनील शर्मा और सहायक कुलसचिव देव सिंह पाटिल सहित विभिन्न विभागाध्यक्षों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।



कम्प्युनिटी रेडियो संवाद 98.2 एफएम में संदेश किए रिकॉर्ड

महर्षि वाल्मीकि कॉलेज के शिक्षक श्रीदाम दाली के मार्गदर्शन में आए छात्रों ने विश्वविद्यालय के कम्प्युनिटी रेडियो "संवाद 98.2 एफएम" में अपने संदेश भी रिकॉर्ड किए। इस दौरान छात्रों ने जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन व जनसंपर्क विभाग के प्राध्यापकों और शोधार्थियों से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के सुजनात्मक तलबों व शोध पीठों की कार्यप्रणाली को समझा।

● भाइयों की कलाइयों के लिए ईको-फ्रेंडली, कस्टमाइज्ड डिजाइनर और पारंपरिक राखियां खरीद रहीं बहनें

राखी बाजार में उमड़ी भीड़, व्यापारियों में जागी करोड़ों के कारोबार की उम्मीद

रायपुर। रक्षाबंधन को लेकर राखी दुकानों के संचालकों का कहना है कि इस रक्षाबंधन पर नए पैटर्न और सुंदर सजावट वाली राखियां मार्केट में आई हुई हैं। बहनों को सबसे ज्यादा रेशम की डोरियां से तैयार राखियां पसंद आ रही हैं। पारंपरिक धागे और चंदन लकड़ी से बनी राखियां भी खूब बिक रही हैं। वहीं डिजाइनर राखियां बच्चों और युवाओं को आकर्षित कर रही हैं। लाइट और म्यूजिक वाली, ट्रेंडीविडर राखियां, कार्टून कैरेक्टर बच्चों की राखियां खूब डिमांड में हैं। व्यापारियों का कहना है कि इस वर्ष बाजार में कारोबार बेहतर लग रहा है। शहर में सिर्फ राखियों की कारोबार की बात करें तो 1 करोड़ से डेढ़ करोड़ रुपए तक का कारोबार होने की उम्मीद है। बाजारों में रक्षाबंधन त्योहार के लिए बेहद खूबसूरत और किरायाती राखियों का विशाल कोलैक्शन उपलब्ध है।

अलग-अलग राज्यों की राखियां

गोलबाजार में राखी के थोक व विल्डर विक्रेता विजय गुप्ता ने बताया कि शहर के बाजार में कस्टमाइज्ड राखियां भी आई हुई हैं। बाजार में राज्य की पारंपरिक कोसा राखी सहित मुंबई से रेशम राखी, नागपुर, पुणे से ईको-फ्रेंडली राखी, झारखंड से बांस की राखी, बिहार से मधुबनी राखी आदि प्रमुख रूप से बिक रही हैं।

गायत्री परिजनों ने बंदियों की कलाई पर सजाया रक्षासूत्र

परिवार और समाज की मुख्यधारा से दूर रहकर अपनी गलतियों का प्रायश्चित्त कर रहे बंदियों के जीवन में इस रक्षाबंधन आत्मिक उजियारा फैलाने का प्रयास अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में किया गया। प्रोटोकॉल एवं मीडिया प्रभारी अमित डोये और मीडिया प्रभारी पद्मा प्रकाश निगम ने बताया कि केंद्रीय जेल में एक ऐसा मावुक और प्रेरणादायी रक्षाबंधन पर्व बुधवार को मनाया गया, जिसने पत्थर से दिल को भी पिघला दिया। बहनों के आंचल की छांव और ममता भरे अहसास ने जेल में बंद बंदियों में सलाखों के दर्द को कुछ पल के लिये भुला दिया। आत्मीय आयोजन के दौरान गायत्री परिवार की बहनों ने लगभग 200 बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। राखी बंधवाते ही कई बंदी भाइयों के सब का बांध टूट गया और उनकी आंखों से आंसू छलक आए। इसमें केवल रस्म अदायगी नहीं हुई, बल्कि बंदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान पर विशेष जोर दिया गया।

सदाचार और आत्मसंयम ही मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण

गायत्री परिवार ने सभी को सत्यसंकल्प का पाठ कराया। जिला समन्वयक लक्ष्मण निषाद ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि, "कानून की नजर में भले ही व्यक्ति अपराधी हो सकता है, लेकिन ईश्वर की नजर में हर आत्मा में सुधार की असीम संभावना होती है। जेल कोई अंत नहीं, बल्कि खुद को टटोलने और एक नया इंसान बनकर उभरने का स्वर्णिम अवसर है।" उन्होंने युगदूता पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि सद्बिचार, सदाचार और आत्मसंयम ही मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। सबसे मर्मस्पर्शी क्षण तब आया जब गायत्री परिवार की बहन प्रेमलता चंद्राकर ने ममता और भाई-बहन के स्नेह से ओत-प्रोत मावुक गीत प्रस्तुत किया। सुरों की उस रागमय पुकार ने जेल के कठोर माहौल को भावनात्मक बना दिया।

रक्षाबंधन के पावन त्योहार के लिए राजधानी के बाजार ईको-फ्रेंडली, कस्टमाइज्ड डिजाइनर और पारंपरिक राखियों से सज गए हैं। इन राखी दुकानों पर खरीदारी करने महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है, जहां वे अपने राजा भाइयों की कलाइयों पर सजने के लिए ईको-फ्रेंडली, कस्टमाइज्ड डिजाइनर और पारंपरिक राखियां खरीद रही हैं। रक्षाबंधन के दो दिन पूर्व बुधवार को शहर के गोलबाजार से लेकर संतोषी नगर, पुरानी बस्ती, शंकर नगर, माटागांव, रायपुरा, पंडरी रोड जगह-जगह राखियों के स्टॉल पर खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिली।

20 रुपए से 250 रुपए तक कीमत

संजय नगर मेन रोड स्थित राखी शॉप के संचालक संजय केशरवानी ने बताया कि बाजार में रक्षाबंधन के त्योहार पर संस्कृति के अनुरूप निर्मित परंपरागत सुंदर राखियों का कोलैक्शन मंगाए गए हैं। इसमें फैसी डिजाइनर एटी राखियां, चंदन की राखियां, बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां खूब डिमांड में हैं। इन राखियों की कीमत 20 रुपए से लेकर 250 रुपए तक है। बाजार में स्वसहायता समूह की



महिलाओं के द्वारा तैयार परंपरागत धान, बांस, चावल, अरहर, रंजिया बाँज, मोती एवं खूबसूरत रंगबिरंगे धागों तथा डिजाइनर राखियां खास है। इसके अलावा युवा लोग भी कस्टमाइज्ड होम मेड राखियां तैयार किए हैं। इन होम मेड राखियों में मोर राखी, स्वास्तिक राखी और भगवान की तस्वीर वाली राखियों का निर्माण किया है, जो दुकान पर पहुंच रहे ग्राहकों को खूब पसंद आ रही है। राखी स्टॉल विक्रय केंद्रों व दुकानों पर महिला स्वसहायता समूहों व होम मेड राखियां छा गई हैं।



बड़ों और बच्चों के लिए स्पेशल राखियां

राखियों में शानदार स्टोन और जरी के काम वाली प्रसिद्ध डोरी एडी स्टोन और कुंदन वर्क में चमकीले पत्थरों और राजसी लुक वाली प्रीमियम राखियां, भैया-भाम्मी सेट में भाम्मी के लिए मैचिंग लुंछा और भाई के लिए डिजाइनर राखियां, किड्स और कार्टून राखियों में बच्चों के लिए रूतिकॉन, लड्डू गोपाल, सुपरहीरो और टॉय डिजाइनर वाली रंगबिरंगी राखियां, फैसी और ईको-फ्रेंडली वैरायटी में पर्ल वर्क, सिल्क श्रैड और प्लांट-बेस्ड ट्रेंडी विकल्प खास हैं।

पुलिस जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर, महिला विंग ने निभाया बहन का फर्ज

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत महिला विंग द्वारा "ऑपरेशन रक्षा सूत्र" कार्यक्रम अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत बुधवार को सिविल लाइन थाने में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। इस पहल पर छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष भावना कुकरेजा ने बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहनों का पवित्र बंधन का पर्व है। ऐसे में सरहद पर देश की सुरक्षा पर डट जवान हो या फिर हमारे देश के अंदर पुलिस के रूप में हमारी सुरक्षा में सेवा दे रहे सिपाही भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर हम उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। महिला विंग की टीम ने एसीपी रमाकांत साहू, पीआर पटेल रीडर एस्पपी सिटी एवं थाना प्रभारी यमन देवांगन सहित सभी पुलिस अधिकारियों को रक्षासूत्र बांधा। महिला विंग ने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह पुलिसकर्मी समाज एवं देश की बहनों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, उसके लिए वे हृदय से धन्यवाद एवं सम्मान की भावना प्रकट करती हैं।



जवान हर परिस्थिति में नागरिकों की रक्षा के लिए तत्पर

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भावना कुकरेजा के साथ हेमा सुंदरानी, मधु नाथानी, मंजू मलंग, पिंकी लालवानी एवं ज्योति हुडानी भी उपस्थित रहीं। महिला विंग ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और विश्वास के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। पुलिस के जवान हर परिस्थिति में नागरिकों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, इसलिए उन्हें रक्षासूत्र बांधना महिला विंग के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

बप्पा के सिंहासन की पारंपरिक, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल थीम भक्तों की पसंद



रायपुर। गणपति बप्पा के स्वागत के लिए घर, ऑफिस और पंडालों में थीम आधारित सजावट का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग पारंपरिक सजावट की जगह आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल थीम पसंद कर रहे हैं। बप्पा के भक्तों की लोकप्रिय सजावट थीम ईको-फ्रेंडली थीम, पारंपरिक छत्तीसगढ़ी, महाराष्ट्रीयन या दक्षिण भारतीय थीम, रॉयल पैलेस थीम, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण थीम, आधुनिक और एलईडी लाइटिंग थीम पहली पसंद में है। बप्पा के भक्तों ने घर, ऑफिस और पंडालों में गणपति जी की स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। बप्पा जी के विरजमान होने वाले स्थान को अलग-अलग थीम पर सजाने इंटीरियर डिजाइनर्स की मदद लिया जा रहा है। शहर के इंटीरियर डिजाइनर अभिलाषा अग्रवाल ने बताया कि घरों में गणपति के स्वागत के लिए



सोशल मैसेज और ऐतिहासिक महल और मंदिर थीम

सार्वजनिक पंडालों के लिए भव्य थीमस में ऐतिहासिक महल और मंदिर जैसे अयोध्या राम मंदिर, केदारनाथ या दक्षिण भारत के भव्य मंदिरों की हबूद, रेप्लिका का निर्माण कराया जा रहा है। सामाजिक संदेश जैसे जल संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग, बेटी बचाओ या भारतीय सेना को समर्पित थीमस। अंतरिक्ष और विज्ञान इसरो के मिशन जैसे चंद्रमय या मंगलयान पर आधारित स्पेस थीम, जो बच्चों को बहुत आकर्षित करती है। काल्पनिक नगरी अयोध्या/देवलोक कलाउड इफ़रेक्ट और लाइट्स की मदद से पंडाल को स्वर्ग या देवलोक जैसा लुक देना शामिल है।

होमली और ईको-फ्रेंडली थीमस ईको-फ्रेंडली गो-ग्रीन थीम चलन में है। वहीं ऑफिस के लिए कॉर्पोरेट और सस्टेनेबल थीमस प्रोफेशनल लोग पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा सार्वजनिक पंडालों के लिए भव्य और संदेशात्मक थीमस, ऐतिहासिक महल और मंदिर, पैलेस थीम समितियों द्वारा कराया जा रहा है। आधुनिक और एलईडी लाइटिंग थीम में फैसी लाइटों, नियांन साइन्स और डिजिटल बैकड्रॉप का प्रयोग भी ऑफिस के छोटे स्थानों के लिए बहुत लोकप्रिय थीम है।



होमली और ईको-फ्रेंडली गो-ग्रीन थीम

घरों पर इस थीम पर पूरी सजावट असली पौधों, बांस, पत्तों और गेंदे के फूलों से की जाती है। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी, महाराष्ट्रीयन, बैकड्रॉप में पैठणी साड़ी, कपटा और नथ का उपयोग करके पारंपरिक लुक दिया जाता है। कागज और कपड़े का ऑरिगेमी में रंग-बिरंगे कागज के फूलों, पंखों और सूती कपड़ों से सुंदर बैकग्राउंड तैयार किया जाता है। शीश महल या कांच थीम में छोटे-छोटे दर्पणों और एलईडी लाइट्स का उपयोग करके एक चमकदार महल का रूप दिया जाता है।

कॉर्पोरेट और सस्टेनेबल थीमस

ऑफिस के माहौल को शालीन रखने के लिए जूट की रस्सियों, बोरियों और खादी के कपड़ों का रचनात्मक उपयोग किया जाता है। डिजिटल और टेक गैजेट के लिए एलईडी स्क्रीन्स, लाइट्स से बनी बप्पा की कलाकृतियां। विभिन्न राज्यों की लोक कला जैसे वारली पेंटिंग, मधुबनी या कठपुतली पर आधारित सजावट। ऑफिस के सभी कर्मचारियों के हाथों के प्रिंट या संदेशों से बना एक बड़ा कृत्रिम पेड़, जिसके नीचे बप्पा विराजते हैं।

इवेंट लाइव

संगम कोलैबोरेटिव की शुरुआत वंचितों को मिलेंगी अनिवार्य सेवाएं



रायपुर। देश के पांच राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले झारखंड, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बिहार राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के परिणामों में दीर्घकालिक सुधारों के उद्देश्य से आज 'संगम कोलैबोरेटिव' की शुरुआत की गई। इन राज्यों में अनुमानित 7 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से प्रभावित हैं। भारतीय नेतृत्व के मानदंडों और वैश्विक विशेषज्ञता के समन्वय से बने इस कोलैबोरेटिव में पीरामल फाउंडेशन, गेट्स फाउंडेशन और एटीई वंदा फाउंडेशन, धनम फाउंडेशन, सुरंगो फाउंडेशन और लिट्टेल्स इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन एक साथ आए हैं। यह कोलैबोरेटिव सार्वजनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने तथा विशेष रूप से वंचित समुदायों तक अनिवार्य सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। इस साझा उद्देश्य के लिए पर्यवकारी संस्थाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और कार्यन्वयन सहयोगियों की क्षमता को एकजुट करेगा।

सेवाओं की आपूर्ति प्रणाली में सुधार लाया जा सके

भारत मंडपम में आयोजित 'एवीपीएन ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2026' के दौरान शुभारंभ के अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय पीरामल, गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमेन और एटीई वंदा फाउंडेशन के सह-संस्थापक अमित वंदा शामिल हुए। संगम कोलैबोरेटिव में आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति प्रणाली में सुधार लाया जा सके और निरंतरता, गुणवत्ता, समानता व समावेशिता सुनिश्चित की जा सके। व्यापक स्तर पर बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमताओं, प्रतिभा, नेतृत्व, प्रक्रियाओं और डेटा सिस्टम को मजबूत बनाना इसका मुख्य उद्देश्य होगा।

सिटी लाइव

आया सावन झूमके सीजन-2 सिर्फ उत्सव नहीं, नारी शक्ति का प्रतीक



रायपुर। उपासना सेवा फाउंडेशन ने महिला आयाम की ओर से "आया सावन झूमके सीजन- 2" का भव्य एवं रंगारंग आयोजन चंगोराभाठा सामुदायिक भवन में किया गया। महिला आयाम की प्रमुख देवीश्री साहू के नेतृत्व में आयोजित इस आयोजन में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर की महापौर मीनल चौबे, एवं पार्षद ममता तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसमें विशेष अतिथि के रूप में डॉ. कविता कुंभज, डायरेक्टर पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एडुकेशन, शकीला खान, तपस्विनी सदावर्ती, टिकी पटेल, अनू टंडन सहित कई महिलाएं एवं समाजसेवी शामिल हुईं। उत्साह से सजे इस सीजन में गीत-संगीत, मनोरंजक खेल, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं अनेक आकर्षक इवेंट्स का आयोजन किया गया। महिलाओं ने सावन के रंग में झूमते हुए उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने का लिया संकल्प

इस आयोजन को सफल बनाने में देवीश्री साहू एवं उपासना सेवा फाउंडेशन के महिला आयाम की टीम का अहम योगदान रहा। टीम की मेहनत, समर्पण और सकारात्मक सोच ने "आया सावन झूमके सीजन- 2" को एक यादगार उत्सव बनाया। इस अवसर पर महिला आयाम की टीम ने संकल्प लिया है कि वह समाज की प्रत्येक महिला के आत्म सम्मान, अधिकार एवं गरिमा की रक्षा के लिए निरंतर काम करेंगी। महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं सफल उद्यमी बनाने की दिशा में अपना योगदान देती रहेंगी। साथ ही महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक उन्नति के लिए काम करने और समाज में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने का संकल्प लिया।

आराधना

दिव्य श्रृंगार संग हुई बाबा की महाआरती, उमड़े श्रद्धालु

रायपुर। सावन मास के अंतिम चरण में सत्तीचौरा स्थित सतीश्वर महादेव मंदिर में भक्तिभाव का विशेष नजारा देखने को मिला। मंदिर में बाबा का उज्जैन के महाकाल स्वरूप में दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाकाल मंदिर की आरती की तर्ज पर बाबा की भव्य महाआरती की गई। इस दौरान गंजपारा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के मनमोहक स्वरूप के दर्शन किए। सत्तीचौरा में स्थापित सतीश्वर महादेव का शिवलिंग सौ वर्ष से भी अधिक पुराना बताया जाता है। मान्यता है कि खुदाई के दौरान यह शिवलिंग जमीन से प्रकट हुआ था। क्षेत्रवासियों के लिए यह मनोकामना सिद्ध शिवलिंग है, जहां गंजपारा सहित आसपास के लोग नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन माह के दौरान सतीश्वर महादेव के प्रत्येक सोमवार को अलग-अलग स्वरूप में श्रृंगार किया गया। पहले सोमवार को बाबा का फूलों से श्रृंगार हुआ, दूसरे सोमवार को बेलपत्र और विशेष



वस्त्रों से सजाया गया, जबकि तीसरे सोमवार को फूलों से श्रृंगार किया गया। सावन के अंतिम सोमवार पर बाबा को उज्जैन के महाकाल स्वरूप में सजाया गया। इस विशेष श्रृंगार के दर्शन के लिए सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। अंतिम सोमवार के अवसर पर मंदिर के पुजारी सुनील पांडेय ने विशेष पूजा-अर्चना कराई। वहीं आदित्य चतुर्वेदी ने बाबा का महाकाल स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया। श्रृंगार के बाद महाकाल मंदिर की आरती के स्वरूप में महाआरती की गई।

राजधानी में ईद मिलादुन्नबी पर गूंजा पैगाम, विभिन्न मार्गों से जुलूस के रूप में सीरत मैदान पहुंचे हजारों लोग

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर उमड़ा जनसैलाब, घोड़े-ऊंट के साथ साज-सज्जा वाली कारें रहीं आकर्षण का केंद्र

जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पैगाम देने बुधवार को भव्य जुलूस निकाला गया। घोड़े, सजे हुए ऊंट, आकर्षक झांकियां और फूलों से सजाई गई कारें विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कई लोग अपनी कारों को विशेष रूप से सजाकर जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद एवं मोहब्बत-ए-रसूल का संदेश देने निकले। जुलूस में शामिल हजारों लोगों ने अनुशासन एवं सौहार्द के साथ सहभागिता दी। सीरत मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उलमा-ए-किराम ने नबी-ए-करीम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की सीरत-ए-पाक, अमन, मोहब्बत, इंसायनियत, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का पैगाम दिया।



जुलूस के समापन में तरक्की के लिए दुआ

जुलूस के समापन पर भारत की तरक्की, अमन-ओ-आमान, छत्तीसगढ़ एवं रायपुर की खुशहाली, आपसी भाईचारे तथा तमाम इंसानों की सलामती के लिए विशेष दुआ की गई। मुल्क में एकता एवं सद्भाव कायम रखने और हर प्रकार की आफत और परेशानी से हिफाजत के लिए बारगाह-ए-इलाही में दुआ मांगी गई। इसके बाद सीरत मैदान में आम लंगर का भी एहतमाम किया गया। कमेटी के सद्व मो. सोहेल सेठी और कमेटी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के सक्रिय सहयोग से आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न मोहल्ला कमेटियों, वालंटियर्स के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं का योगदान रहा। चीफ ऑर्गेनाइजर मो. सिराज एवं मीडिया प्रमारी अब्दुल नादिर खान सहित कमेटी के सदस्यों ने जुलूस में व्यवस्था, संचालन में प्रमुख भूमिका निभाई।



रायपुर। शहर सौरतुन्नबी कमेटी के तत्वावधान में 1501वें जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर बुधवार को जुलूस ईद मिलादुन्नबी का आयोजन अकीदत, शानो-शौकत, अनुशासन और आपसी भाईचारे की भावना से हुआ। जुलूस में शहर एवं आसपास के विभिन्न इलाकों से हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए। यह भव्य जुलूस हुजूर हसनुल मशाइख हजरत सय्यद हसन अशरफ अशरफुल जिलानी, किछोछा मुकद्दसा उत्तर प्रदेश की सरपरस्ती एवं कायवत में निकली गई। उनके दस्त-ए-मुबारक से परचम-कुशाई की रसम अदा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उलमा -

इनकी उपस्थिति ने अवसर को बनाया खास

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज, राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग, फाउंडर मेंबर हाजी शेख नजीमुद्दीन, जनरल सेक्रेटरी हाजी सैबीहुद्दीन, चीफ ऑर्गेनाइजर मो. सिराज, फैसल रिजवी, हाजी बदरुद्दीन खोखर, इकबाल शरीफ, डॉ. मुजाहिद अली फारूकी, मोहम्मदुल, मुफती एहतेशाम अली फारूकी सहित बड़ी संख्या में उलमा-ए-किराम एवं जिम्मेदारान-ए-कीम के लोग शामिल हुए। पूर्व महापौर एजाज देबर, शेख शकील, नादिर खान, बदरुद्दीन खोखर, गुड्डा सेठी, अयाज सेठी, आदि सेठी, एजाज खान, फिरोज खान, शेख यूनुस, नूर खान, हाजी रिजवान, नासिर खान ने भी जुलूस में सहभागिता निभाई।



करुणा और मानवता के संदेश का महापर्व

ईद-मिलाद-उन-नबी, जिसे मिलाद-उन-नबी या बारगफात कहा जाता है। इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल की 12 तारीख को पूरी अकीदत और अदब के साथ मनाया जाता है। यह पवित्र दिन इस्लाम के आखिरी पैगंबर, हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लाम के योम-ए-पैदाइश (जन्मदिन) के रूप में दुनिया भर में मनाया जाता है। यह बात सोएम विष्णु देव साय ने कही। यह केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि पैगंबर साहब की पवित्र शिक्षा और उनके द्वारा दिखाए गए

मानवता के मार्गों को याद करने का एक अवसर है। इस मुबारक दिन लोग मस्जिदों और घरों में कुरान-ख़्तानी (कुरान का पाठ) करते हैं। भाजपा आत्प संस्थक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मखमूर इकबाल खान ने बताया कि मुलाकात के दौरान सोएम साय मुबारक बाद दिए।

आनंदवन में रहने वाले बुजुर्गों ने शंकराचार्य आश्रम में सुनी कथा, आध्यात्मिक वातावरण का उठाया आनंद

रायपुर। शिव महापुराण में मां गोदावरी आनंदवन आश्रम के बुजुर्गों को कथा श्रवण और आध्यात्मिक वातावरण का लाभ श्री शंकराचार्य आश्रम बोधिया कला में जारी चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला में मिला। आश्रम के योगेश तिवारी बुधवार को बुजुर्गों के साथ कथा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने दंडी स्वामी डॉ. इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज के श्रीमुख से शिव महापुराण की पावन कथा का श्रवण किया। इस दौरान बुजुर्गों ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान शिव का स्मरण किया और आध्यात्मिक विचारों को सुना। लंबे समय बाद धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में पहुंचकर कथा सुनने का अवसर मिलने से बुजुर्गों में विशेष प्रसन्नता और उत्साह देखने को मिला। कथा में गुरुदेव ने मानव जीवन में देव ऋण, ऋषि ऋण और पित्र ऋण के महत्त्व को विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि मनुष्य का जीवन केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि धर्म, सेवा, संस्कार, कर्तव्य और सद्कर्मों के लिए मिला है।



बुजुर्गों को अपनापन, सम्मान और खुशहाल वातावरण मिले

महाराज ने बताया कि माता-पिता एवं पूर्वजों का सम्मान, ऋषि-मुनियों द्वारा दिए गए ज्ञान और संस्कारों का संरक्षण तथा प्रकृति एवं देव शक्तियों के प्रति कृतज्ञता भी मानव जीवन के महत्त्वपूर्ण कर्तव्यों में शामिल हैं। श्री तिवारी ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव और संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरक हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना उन्हें आत्मिक प्रसन्नता देने के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। आनंदवन आश्रम का प्रयास है कि यहां रहने वाले बुजुर्ग माता-पिता को परिवार जैसा अपनापन, सम्मान और खुशहाल वातावरण मिले। समय-समय पर उन्हें धार्मिक स्थलों के दर्शन, कथा श्रवण एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भी शामिल किया जाता है, ताकि वह आस्था और रुचि के अनुसार पवित्र अवसरों का आनंद प्राप्त कर सकें।

गुरु पूर्णिमा से शुरू हुए अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ की विधि-विधान से की जाएगी विश्रांति

अखंड रामायण पाठ को विश्रांति देने कल से मंदिरों में रहेगी मंत्रोच्चार और स्वाहा-स्वाहा की गूंज, भक्त बनेंगे यजमान

कार्न न्यूज

रायपुर। गुरु पूर्णिमा से परंपरागत रूप से सप्ते मैदान स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ विधि-विधान से किया गया। इसके बाद से प्रति एक-एक घंटे की ड्यूटी तय करके महीनेभर से जारी रामायण पाठ की विश्रांति से पहले मंदिर में तैयारी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में सिद्धार्थ चौक स्थित श्रीनरहेश्वर मंदिर प्रांगण में जारी श्री अखंड पाठ की विश्रांति का विधान भी किया जाएगा। इसमें भक्त ही यजमान के रूप में शामिल होंगे। इसके साथ ही भोग-भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आयोजन समिति और मंदिर प्रबंधन से जुड़े पुजारियों के मार्गदर्शन में मंत्रोच्चार के साथ स्वाहा-स्वाहा की गूंज के साथ हवन कुंड में आहुति देने के लिए यजमान के रूप में भक्त परिवार प्रमुख रूप से शामिल होंगे।



रक्षाबंधन के दूसरे दिन हवन और भक्तों का भंडारा

श्री नरहेश्वर मंदिर के पुजारी देवचरन शर्मा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा से शुरू किया गया अखंड रामायण पाठ अब विश्रांति की ओर अग्रसर हो रहा है। 29 अगस्त को सुबह 9 बजे से श्रीरामायण पाठ विश्रांति के लिए विधिवत पूजा शुरू होगी। इसके साथ ही यजमान के रूप में भक्त हवन कुंड में आहुति देंगे। दोपहर में एक बजे से भक्तों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए व्यवस्थागत तैयारी को अंतिम रूप दिया गया है। इसमें अखंड रामायण पाठ में सहभागिता निमाने वाले परिवारों सहित आसपास के भक्त भी शामिल होंगे। इसके बाद भंडारे की व्यवस्था भी समालेगी।

प्रति दोहा, चौपाई, छंद, सोरठा का किया जाएगा पाठ

सप्ते मैदान से सटे श्री हनुमान मंदिर में जारी रामायण पाठ का यह 26वां आयोजन है। श्रावण मास अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ समिति श्री हनुमान मंदिर के सदस्य गंगा प्रसाद यादव और मनोज हंजुरकर ने बताया कि 29 जुलाई से जारी श्रीरामायण पाठ का समापन 28 को किया जाएगा। इसके बाद श्रीरामचरित मानस में उल्लेखित प्रति दोहे, चौपाई, सोरठा और छंद का पाठ करते हुए 28 को अपराह्न तीन बजे से हवन शुरू होगा, जो 29 अगस्त तक चलेगा। हवन की पूर्णिहति के साथ ही अखंड रामायण पाठ की विश्रांति दी जाएगी। इसके बाद मंदिर में भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।



सिटी स्पोर्ट्स

राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में जारी है शानदार मुकाबले

रायपुर। न्यायधानी में सीनियर वर्ग के राज्य



स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वालीफाई मैच बुधवार से शुरू हुए। बिलासपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अरविंद गोयल एवं सचिव डॉ एम एल चंद्राकर ने बताया कि सीनियर स्टेट स्पर्धा में लगभग 150 बालक बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे है।

नेशनल तैराकी चैंपियन शिवांगिनी मिली उप मुख्यमंत्री साव से



रायपुर। 52 वीं जूनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप की डबल मेडलिस्ट खिलाड़ी शिवांगिनी पांडेय ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव से सीजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्पर्धा की जानकारी देते हुए साव से मार्गदर्शन हासिल किया। ज्ञात हो शिवांगिनी ने बटरफ्लाई के 50 मीटर में ब्रॉन्ज और 100 मीटर में सिल्वर मेडल हासिल किए हैं। भेंट के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने तैराक बेटी का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें मेडल पहनाकर सम्मान किया। उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि राज्य शासन प्रतिभावान खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। भेंट के दौरान खिलाड़ी की माता श्रीमती पांडेय और छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के हेमंत परिहार उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ चौधरी को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार



रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर प्रो (डॉ) राजीव चौधरी को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूची में प्रो चौधरी का नाम देशभर से चयनित 21 उत्कृष्ट शिक्षकों/संकाय सदस्यों में शामिल किया गया है। आधिकारिक सूची में उन्हें शारीरिक शिक्षा एवं योग शिक्षा के क्षेत्र में चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 5 सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रो चौधरी उच्च शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, योग, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय अकादमिक एवं सामाजिक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षण को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए अनुसंधान, नवाचार, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता, खेल विकास, विद्यार्थी कल्याण तथा समाजोपयोगी गतिविधियों से जोड़ा है। उनकी शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों में अनेक शोध-पत्रों एवं पुस्तकों का प्रकाशन, शोधार्थियों का मार्गदर्शन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहभागिता तथा शारीरिक शिक्षा एवं योग के क्षेत्र में नवीन शोध एवं प्रयोग प्रमुख हैं।

राष्ट्रीय कमेंट्री वर्कशॉप में हिस्सा लिया सुशील और नागेंद्र ने



रायपुर। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कमेंट्री वर्कशॉप 20 से 22 अगस्त तक भुवनेश्वर में आयोजित की गई। जिसमें देश भर से 27 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इनमें छत्तीसगढ़ से सुशील मिश्रा (संघ के अध्यक्ष जांजगीर चांपा जिला) और नागेंद्र सिंह (सचिव गैरैला पेंड्रा मरवाही) शामिल हुए। वर्कशॉप में दोनों प्रतिभागियों ने कमेंट्री एवं एंकरिंग की बारीकीयों को सीखा। यह जानकारी छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के प्रवक्ता हेमंत सिंह परिहार ने दी।

दिल की तकलीफ को हमेशा गंभीरता से लें

सिर्फ हार्ट अटैक तक सीमित नहीं है दिल से जुड़ी बीमारियां लक्षण एक जैसे हों तो भी दूसरी तकलीफ की आशंका ज्यादा

दिल में हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां, जरूरी है आपको जानना कोरोना महामारी के बाद विश्वभर में हार्ट संबंधी बीमारियां तेजी से सामने आई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की डेटा की मानें तो 2020 में हृदय रोगों से दुनियाभर में 18।6 मिलियन लोगों की मौत हो गई, जो सभी मौतों का 32% है और यह आंकड़ा डराने वाला है।

इधर भारत में बीते दो सालों में अचानक हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। खासतौर पर कम उम्र के बच्चे और अधिकांश युवा हार्ट संबंधी बीमारी का शिकार हुए हैं और देखने में आया है कि उनकी मृत्यु तक हुई है। भारत में आम धारणा के अंतर्गत हार्ट संबंधी बीमारियों को केवल हार्ट अटैक या फिर कार्डियक अरेस्ट तक ही सीमित करके देखा जाता है लेकिन हार्ट संबंधी बीमारियां केवल हृदय की गति का रुक जाना ही नहीं होता बल्कि ऐसी कई दूसरी समस्याएं भी होती हैं जिनका सीधा संबंधी हार्ट की सेहत से होता है।

ऐसी बीमारियों में रोगी को लक्षण महसूस होते हैं लेकिन उन्हें पता ही नहीं चल पाता है कि उन्हें हार्ट संबंधी बीमारी है और जब तक रोगी इलाज के लिए पहुंचे हार्ट को बहुत क्षति पहुंच सकती है। दरअसल, हृदय रोग केवल



लाइफस्टाइल की ही नहीं बल्कि अन्य दूसरे पहलुओं से भी जुड़ी बीमारी है। बहरहाल, आइए जानते हैं हार्ट संबंधी ऐसी कौन सी बीमारियां हैं जिन पर सामान्य तौर हमारा ध्यान नहीं जाता और इसे हम केवल कॉलेस्ट्रॉल और लाइफस्टाइल से ही जोड़कर देखते हैं।

धमनियों में कॉलेस्ट्रॉल जमाव की बीमारी

इसे कोरोनरी आर्टरी डिस्जी यानी की सीएडी कहा जाता है। यह बीमारी तेल, कॉलेस्ट्रॉल युक्त चीजें और गलत खान-पान व खराब लाइफस्टाइल के चलते होती है। ये बीमारी धमनियों, जिन्हें कोरोनरी धमनियां कहा जाता है जो दिल की धड़कन के पंप को सही रूप से रक्त पहुंचाने का काम करती है, उसमें बैड कॉलेस्ट्रॉल जमा होने के कारण होती है। सामान्य तौर पर हार्ट अटैक का कारण यही होता है।



हार्ट फेलियर या दिल का काम करना बंद कर देना

इसे आसान शब्दों में हार्ट फेल्योर कहा जाता है। हार्ट फेल्योर एक बीमारी है जिसमें हार्ट का पंप फंक्शन पहले धीमे-धीमे कमजोर हो जाता है और बाद में बंद हो जाता है जिससे शरीर के जरूरी हिस्सों में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है इससे व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

एकतरफा मुकाबले में डेफोडिल्स व आरके शारदा ने जीते अपने मैच



रायपुर। 14वें शहीद वीके चौबे इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतर्गत अंडर-14 आयु वर्ग के मुकाबले माधव राव सप्रे स्कूल फुटबॉल ग्राउंड, बृह्मपारा में हुए। दिनभर खेले गए मुकाबलों में विभिन्न स्कूलों की युवा टीमों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आज अंडर-14 वर्ग में कुल पांच मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में डेफोडिल्स इंग्लिश स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरडी तिवारी को 5-0 से पराजित किया। डेफोडिल्स इंग्लिश स्कूल ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में विवेकानंद विद्यापीठ को वाकओवर के माध्यम से विजेता घोषित किया गया। इस जीत के साथ विवेकानंद विद्यापीठ ने प्रतियोगिता के अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित की।

मंच प्रदान करने प्रतियोगिता

तीसरे मुकाबले में आरके शारदा व सेंट जोसेफ स्कूल के मध्य मुकाबला हुआ। इसमें आरके शारदा विद्या मंदिर ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सेंट जोसेफ को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। चौथे मुकाबले में आरके शारदा विद्याश्रम ने ज्ञान गंगा एजुकेशनल अकेडमी को शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 से पराजित किया। टीम ने पूरे मुकाबले में बेहतर तालमेल के साथ आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पांचवें मुकाबले में ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल ने होलीक्रॉस को 2-0 से पराजित किया। शेरा क्रीड़ा समिति के सचिव मुस्ताक अली प्रधान ने कहा, स्कूली स्तर पर उभरती हुई फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

हाइपरटेंशन

हाइपरटेंशन इसे हाई ब्लड प्रेशर भी कहते हैं जिसके कारण भी हार्ट की फंक्शनिंग पर असर होता है। यह खतरनाक हो जाता है, क्योंकि यह कोरोनरी धमनियों को खराब करता है और हार्ट के जोड़ों को कमजोर कर देता है जिससे हार्ट को क्षति पहुंचती है और कई बार व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसके अलावा रैजमियोपैथी ऐसी बीमारी होती है, जिसमें हार्ट की धड़कन गति अनियमित हो सकती है। इसे दूसरे शब्दों में कहें तो हार्ट एक निश्चित

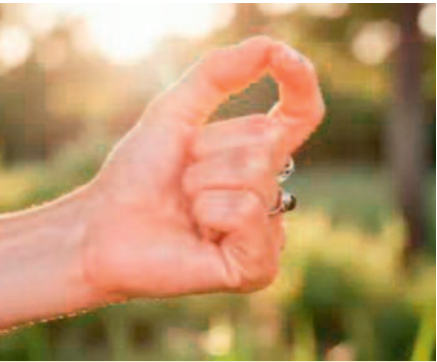


समयावधि में उतनी बार नहीं धड़कता है जिसे नॉर्मल कहा जाता है। यह बीमारी गंभीर होती है और कई दूसरी समस्याओं का कारण बनती है।

कोर पल्पिटेशन

हार्ट की इस बीमारी में हार्ट की धड़कन बेहद तेज या असामान्य हो जाती है। कई बार रोगी को यह महसूस होता है उसकी हार्ट की गति बंद सी हो गई है। यह बीमारी कई बार दूसरी बीमारियों के साथ जुड़ती है। हार्ट की यह बीमारी वाल्व से जुड़ी होती है। हार्ट में दो वाल्व होते हैं यदि उसमें से कोई एक खराब हो जाए या ठीक तरह से काम नहीं करे तो यह बीमारी होती है। इस बीमारी में धड़कन सही तरीके से काम नहीं करती है। कोर पल्पिटेशन में हार्ट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। इसमें हार्ट की पंपिंग क्षमता कम हो जाती है जिससे हार्ट फेलियर का खतरा होता है।

तनाव दूर करने मददगार साबित होगी चिन्मय मुद्रा



यूं तो हम सभी हमेशा हंसते-मुस्कुराते रहना चाहते हैं। लेकिन, फिर भी न चाहते हुए, तनाव कहीं न कहीं से आकर हमें घेर लेता है। आपको एक ऐसी मुद्रा के बारे जानना चाहिए, तो तनाव दूर करने के साथ, शरीर को अन्य कई फायदे भी पहुंचाती है। इसे करने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी योगा टीचर दिलराज प्रीत कौर दे रही हैं।

तनाव को कम करने के लिए

इसे करने के लिए सबसे पहले सुखासन में बैठ जाएं।आप इसे वज्रासन में बैठकर भी कर सकती हैं। अब अपने अंगुठे की टिप से इंडेक्स फिंगर की टिप को छुएं।इससे एक सर्किल बनेगा। बाकी तीन उंगलियों को हथेली की तरफ मोड़ें।हाथों को जांघों पर टिका लें।ऐसा करते हुए, गहरी सांस लें और छोड़ें।

चिन्मय मुद्रा को करने के फायदे

इसे करने से फोकस में सुधार होता है। यह मुद्रा, लाइफ एनर्जी यानी प्राण के प्रवाह को शरीर की तरफ बढ़ाती है। इससे फोकस और मेंटल हेल्थ में सुधार होता है। इसे करने से दिमाग शांत होता है, एंजायटी और स्ट्रेस दूर होता है। इसे करने से कमजोरी दूर होती है और शरीर में एनर्जी बढ़ती है। इस मुद्रा को करने से आपको मन में शांति महसूस होती है और मेंडिटेशन करना आसान होता है। इसे करने से डाइजेशन सुधरताहै और न्यूट्रिएंट्स का अब्सॉर्बेशन अच्छा होता है।



माई को राखी बांधते समय जानें सही दिशा

इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा । हर साल की तरह इस बार भी लोगों के मन में राखी से जुड़ी कई पारंपरिक और धार्मिक जिज्ञासाएं हैं, जैसे राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए, किस दिशा में मुंह करके राखी बांधनी चाहिए, और राखी का धागा कब खोलना चाहिए?

राखी बांधते समय किन बातों का रखें ध्यान

राखी बांधते समय भाई के सिर पर कोई स्माल या कपड़ा जरूर रखें, इसे शुभ माना जाता है। प्लास्टिक या टूटी हुई राखी शुभ नहीं मानी जाती। सोने, चांदी या किसी और धातु की राखी सीधे नहीं बांधनी चाहिए। राखी सूत या कपास के पवित्र धागे से बनी होनी चाहिए। चाहें तो पहले सूत की राखी बांधकर बाद में सजावटी राखी (सोने-चांदी वाली) बांध सकती हैं। राखी बांधने से पहले दिन और समय (मुहूर्त) जरूर देखें, खासकर यह ध्यान रखें कि भद्रा काल में राखी न बांधें, क्योंकि यह समय अशुभ माना जाता है। राखी बांधते समय भाई का दाहिना हाथ नीचे की ओर रखा होना चाहिए। राखी बंधवाने के बाद भाई को चाहिए कि वह अपनी बहन के



पैर छूकर उसका आशीर्वाद ले।

राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए

राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना शुभ माना जाता है। ये तीन गांठें त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु और महेश को समर्पित होती हैं। हर गांठ के साथ बहन भाई के लिए स्वास्थ्य, सुख और लंबी उम्र की प्रार्थना करती है। तीन गांठें लगाने से भाई-बहन का रिश्ता और अधिक मजबूत होता है। यह परंपरा राखी के बंधन को धार्मिक और भावनात्मक दोनों रूपों में विशेष बनाती है।

किस दिशा में बैठकर बांधें राखी

सनातन धर्म में दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। किसी भी पूजा-पाठ, अनुष्ठान या शुभ कार्य को करते समय दिशाओं का ध्यान रखना आवश्यक होता है, क्योंकि यह माना जाता है कि सही दिशा में बैठकर कार्य करने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। रक्षाबंधन के अवसर पर भी यह निर्देश दिए गए हैं कि राखी बांधते समय भाई का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

पूर्व दिशा को क्यों माना गया है शुभ?

पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है। सूर्य, जीवन शक्ति, नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इसी दिशा से दिन की शुरुआत होती है, जो विकास, उजाला और आशा का संकेत देती है। जब भाई पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठता है, तो वह सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करता है, और बहन द्वारा बांधी गई राखी के साथ उसकी रक्षा और कल्याण के संकल्प और भी शक्तिशाली बन जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों में भी यह उल्लेख मिलता है कि पूर्व दिशा में मुख करके किया गया पूजन या कोई भी शुभ कार्य अधिक फलदायी होता है। राखी बांधते समय यी इस नियम का पालन करने से बहन द्वारा की गई प्रार्थना, रक्षा सूत्र की शक्ति और तिलक का प्रभाव अधिक प्रभावशाली होता है।



रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Motor, Generator, Water Pump, Electrical Work, etc.

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटोवानी फायनेंस गली नं. 03, सिटी कॉलोनी, तेलीबांचा, रायपुर

93404-44755

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें

मो. 6263818152, 7067183593

Bhoi's

SWIMMING ACADEMY

Give Your Child Confidence, Fitness, And A Skill For Life.

Join Our Academy Today And Discover The Swimmer Within You!

(SPECIAL OFFER FOR 3 & 6 MONTH)

Choubay Colony Old Health Watch Raipur (C.G.)

98271169161
9589854455

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

वॉर्ड्स में 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने लहराया परचम, लेखक और निर्देशक हुए खुश

फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने लगातार आठ अमांडा पुरस्कार जीते हैं। फिल्म के निर्देशक जो आ कि म ट्रायर और ले ख क एस्कल वोग्ट ने इस पर एक बातचीत के दौरान अपनी प्रतिक्रिया दी। जोआकिम ट्रायर की ऑस्कर विजेता फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने इस साल अमांडा पुरस्कारों में भी सबसे सफल फिल्म साबित हुई। फिल्म ने यहां कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए।



अमांडा पुरस्कारों में फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' के लिए निर्देशक जोआकिम ट्रायर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला। इतना ही नहीं फिल्म की कहानी लिखने वाले एस्कल वोग्ट को फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार मिला है। इस बारे में वोग्ट ने वैरायटी से बातचीत के दौरान कहा, 'जब मैं अकेले लिखता हूं, तो मैं टालमटोल करता हूं। मगर जब मैं जोआकिम के लिखता हूं तो मुझे उसके साथ एक दिन बिताने मिल जाता है।' जोआकिम ट्रायर ने अपने जीवन में साथी एस्कल वोग्ट की अहमियत को लेकर बात की। उन्होंने फिल्म के दौरान वोग्ट के साथ बिताए वक्त के बारे में भी काफी कुछ कहा। ट्रायर बोलेएस्कल से मेरे माता-पिता के बाद मेरा सबसे लंबा रिश्ता है। हम दोनों को इसके बारे में बेवजह रोमांटिक होने की जरूरत नहीं है।हम एक दूसरे के प्रति ईमानदार रहना होगा, यही एक सच्चा उपहार है।फिल्म बनाने और रिलीज करने के दौरान बहुत कुछ होता है। हम दोनों उस सुरक्षित माहौल में वापस जाना और उस शांति को फिर से खोजना पसंद करते हैं। फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं।

टॉलीवुड

'इरुमुडी' देख बेबी नक्षत्रा के फैन हुए धनुष, बाल कलाकार को वीडियो कॉल करके की तारीफ

फिल्म 'इरुमुडी' दर्शकों के साथ-साथ अब सेलेब्स को भी काफी पसंद आ रही है। अ भि ने ता धनुष ने फिल्म देखने के बाद बेबी नक्षत्रा की जमकर तारीफ की है।



इसी बीच धनुष का एक वीडियो भी वायरल है। रवि तेजा की हालिया रिलीज फिल्म 'इरुमुडी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इसी बीच अभिनेता-निर्माता-निर्देशक धनुष ने फिल्म की चाइल्ड आर्टिस्ट बेबी नक्षत्रा के अभिनय की प्रशंसा की। धनुष ने हाल ही में फिल्म 'इरुमुडी' देखी। इसे देखकर वह फिल्म में रवि तेजा की बेटी का किरदार निभाने वाली नक्षत्रा की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए। इसके बाद धनुष ने फिल्म ने निर्देशक शिवा निर्वान को कॉल किया और नक्षत्रा की काफी तारीफ की। इसके बाद शिवा ने धनुष और नक्षत्रा के बीच एक वीडियो काल अरेंज की। इस बातचीत के दौरान धनुष ने नक्षत्रा के माता-पिता से उनकी बेटी की प्रशंसा की। धनुष ने नक्षत्रा से कहा कि वह उनसे एक्टिंग सीखना चाहते हैं। अंत में धनुष ने नक्षत्रा को भविष्य के लिए दुआ दी। नक्षत्रा के इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किए गए इस वीडियो ने कुछ देर में ही फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। 'इरुमुडी' नक्षत्रा की पहली फिल्म नहीं है। वह साउथ सिनेमा की कई फिल्मों में काम चुकी हैं। 2024 में प्रभुदेवा अभिनीत तमिल फिल्म 'पेट्टा रेप' से उनहोंने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 2025 में मलयालम फिल्म 'एन्नुम स्वंधम पुण्यलन' में वह नजर आईं। हाल ही में वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ 'आई, नोबडी' में नजर आई थीं। नक्षत्रा ने डॉ. शिवराजकुमार अभिनीत कन्नड़ फिल्म 'डेड' की शूटिंग भी की है, जो फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है।

भोजपुरी

चीनी की बढ़ी कीमतों ने बिगाड़ा अक्षरा के घर का बजट, दिया मजेदार अंदाज में दिया रिएक्शन

चीनी के दामों में इजाफा हो गया है। त्योहार के सीजन में अ चा न क चीनी की बढ़ी कीमतों ने लोगों के घर का बजट बिगाड़ दिया है। आम लोग ही नहीं, सेलेब्स के यहां भी बजट की चिंता होने लगी है और मीठी चाय पीने से पहले सोच रहे हैं। बात हो रही है, भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह की। अक्षरा और उनकी मां नीलिमा ने चीनी के बढ़ते दामों पर चुटकी ली है। चीनी के बढ़ते दामों के चलते लग रहा है कि भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा के घर का बजट भी गड़बड़ हो गया है। उनकी मां नीलिमा सिंह का पोस्ट देखकर कुछ यही लग रहा है। नीलिमा सिंह भी चर्चित एक्ट्रेस हैं और छोटे पर्दे पर कई सीरियल में खूंखार सास की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। नीलिमा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे चाय बनाती दिख रही हैं। इसके साथ नीलिमा ने कैप्शन लिखा है, 'चाय में चीनी डालू या बजट की चिंता घोल दूं?' अक्षरा सिंह ने भी चीनी के बढ़ते दामों पर चुटकी ली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है और अपनी कुछ मिरर फोटोज शेयर की हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'चीनी महंगी हो गई... अच्छा हुआ मिरर ने मिठास डबल कर दी।' बता दें कि अक्षरा सिंह क्लाइट और ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वे नए हेयरस्टाइल को प्लॉन्ट कर रही हैं।



सीक्रेट गार्डन



पेरिस में खास 'वन-ऑफ-अ-काईड' कलेक्शन के नए पीसेज की पहली ऑफिशियल प्रेजेंटेशन की गई। इस प्रेजेंटेशन, में शानदार विंटेज फ्रेब्रिक और बेहतरीन प्रिंट्स का जलवा था। इस शो में फ्रैशन, डिजाइन और आर्ट की दुनिया के खास मेहमानों को दुनिया भर से बुलाया गया था। ब्रांड की हेड डिजाइनर रियाना कोन्नु ने एक बार फिर अपनी ग्रीक विरासत से प्रेरणा ली और 'मिस्टिकोस किपोस' (ग्रीक भाषा में 'सीक्रेट गार्डन' या 'गुप्त बगीचा') तैयार किया। यह एक ऐसा बगीचा है जो रंगों और दुनिया भर की शैलियों के मेल से बना है और इसे कल्पना के जरिए एक साथ लाया गया है।

मीनाकारी पायल के ये डिजाइंस बढ़ाएंगे आपके पैरों की शोभा

पैरों को आकर्षक लुक देने के लिए आपको कई तरह के डिजाइन में पायल आसानी से मिल जाएंगी। किसी भी डिजाइन को चुनने से पहले आप पैरों की शेप का ख्याल जरूर रखें। ज्वेलरी पहनना हम सभी काफी पसंद करते हैं और इनमें कई वैरायटी और डिजाइन आपको ऑनलाइन से लेकर ऑफ़लाइन मार्केट तक में आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आजकल आर्टिफिशियल ज्वेलरी का क्रेज काफी बढ़ गया है और इसे कई तरीके से स्टाइल भी किया जा रहा है। पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए मार्केट में पायल के कई डिजाइन मिल जाते हैं, लेकिन एक्सीन स्टाइल की बात करें तो मीनाकारी डिजाइन आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं मीनाकारी डिजाइन में पायल के नए डिजाइंस।

डोली डिजाइन पायल

पैरों की शोभा बढ़ाना चाहती हैं तो इस तरीके के हैवी डिजाइन की पायल को पैरों में पहन सकती हैं। इसमें आपको कई कलरफुल मीनाकारी डिजाइन में काफी पैटर्न आसानी से मिल जाएगा। इस तरह की पायल डिजाइन



आपको मार्केट में लगभग 250 रुपये से लेकर 450 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। अगर आपके पैर चौड़े नहीं है तो इस तरीके के डिजाइन की पायल को आप अवॉयड ही करें।

डबल चैन डिजाइन पायल

अगर आप सिंपल डिजाइन की पायल नहीं पहनना चाहते हैं तो इस तरीके की डबल या ट्रिपल पायल डिजाइन को पैरों में पहन सकते हैं। इस तरह के डिजाइन में आपको कई मीनाकारी डिजाइन के पैटर्न आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आर्टिफिशियल में आपको इस तरीके की पायल करीब 200 रुपये से लेकर 400 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

साड़ी के साथ बालों में लगाएंगी गजरा तो निगाहें नहीं हटेंगी उनकी



ट्रेडिशनल लुक में जान डालने के लिए लेटेस्ट डिजाइन के कपड़ों के साथ-साथ इनकी स्टाइलिंग भी सही तरीके से की जानी बेहद जरूरी होती है। स्टाइलिंग की बात करें तो इसमें सही हेयर स्टाइल चुनना और इन्हें स्टाइल करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का रोल अहम होता है। आजकल नक्ली से ज्यादा असल फूलों से बनी हेयर एक्सेसरीज को सबसे ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं गजरे को बालों में अलग-अलग तरह से स्टाइल करने के आसान तरीके। साथ ही, बताएंगे इन गजरों

को बालों में लगाने के आसान हैक्स-

जुड़े में कैसे लगाएं गजरा?

बालों में गजरे लगाना लगभग हम सभी पसंद करते हैं। सिंपल और बोरिंग जुड़े को आप इस तरह से गजरे से कवर करके फैसी और स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। बता दें कि गजरे के जाल से लेकर बाहरी तरफ से गोलाई में लगाकर भी गजरे से जुड़े को स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। स्लीक स्टाइल हेयर स्टाइल में यह एक्सेसरी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। आप चाहें तो डोनट लगाकर सिंपल बन के साथ में लपेट कर भी बन को पूरा कर सकती हैं।

फूलों को जुड़े में कैसे लगायें?

सिंपल गजरे के अलावा आप बालों में ताजे फूलों को अलग-अलग तरह से स्टाइल कर सकती हैं। इसके लिए आप छोटी कलियों वाले रंग-बिरंगे फूलों को जुड़े पर लगा सकती हैं। इसके लिए आप मोगरों के फूलों को अलग-अलग करके छोटे साइज के फूलों के साथ पिन लगाकर बालों में लगा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

चेहरे पर लाना है शीशे सा निखार तो आज ही से करें इन का इस्तेमाल

ब्यूटी प्रोडक्ट



त्वचा का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। इस बात को हम सभी खूब अच्छे तरीके से समझते हैं। वहीं आने वाले दिनों में बहुत से त्योहार आने वाले हैं। शादियों का भी सीजन रहेगा। ऐसे में महिलाएं अपने मेकअप पर खास ध्यान देती हैं। कई बार ब्यूटी प्रोडक्ट भी धोखा दे देते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम घरेलू उपाय पर भी ध्यान दें। एलोवेरा त्वचा के लिए एक डॉक्टर का काम करता है और अनेक रूप से फायदे पहुंचाने में मदद करता है। अब चाहे तो त्वचा को नमी पहुंचा कर हाइड्रेटेड बनाना हो या चेहरे पर एलोवेरा जेल का बना हुआ फेस पैक हो। इसका इस्तेमाल आप अनेक रूपों में कर सकती हैं। इसके लिए आप घर में एलोवेरा का पौधा लगायें और मार्केट में मिलने वाली जेल को अवॉयड ही करें।

बेसन

बेसन का इस्तेमाल चेहरे पर मौजूद टैनिंग को हटाने के लिए किया जाता है। खासकर यह ऑयली स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ऐसा इसलिए

धोखा दे सकते हैं इसलिए जरूरी घरेलू उपाय पर भी दें ध्यान

क्योंकि बेसन चेहरे पर मौजूद पोर्स में जमे ऑयल को निकाल पोर्स को डीप क्लीन करने का काम करता है। वहीं इसमें आप कच्चा दूध और गुलाब जल मिलाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल

गुलाब जल को चेहरे पर कई तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि यह एक नेचुरल टोनर का काम करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये चेहरे पर मौजूद पोर्स के अंदर जाकर सफाई कर उनका साइज मिनीमाइज करने में सहायता करता है। साथ ही ये त्वचा के पीएच लेवल को बरकरार रखने का काम भी करता है। इसके अलावा त्वचा पर मौजूद डार्क स्पॉट्स यानी काले धब्बे को कम करने के काम भी आता है।

राखी के त्योहार पर भाई ऐसे हों तैयार, देखकर बहनें उतारेंगी नजर

रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए लड़कियां काफी उत्साहित रहती हैं। इस बार 28 अगस्त को राखी का त्यौहार है और अब बस एक दिन का फासला है। बहनें इसके लिए पहले से ही अपने लिए काफी खरीदारी करती हैं। इसमें ट्रेंडी आउटफिट, ज्वेलरी और फुटवियर भी शामिल होते हैं। हर बहन चाहती है कि वह रक्षाबंधन के दिन सबसे खूबसूरत दिखें। इसकी वजह है कि



राखी का त्यौहार साल भर में एक बार आता है और यह हर भाई-बहन के लिए बेहद खास होता है। बहनें तो इस दिन खास दिखने के लिए तैयारी कर लेती हैं लेकिन भाईयों को समझ नहीं आता कि वह कैसे तैयार हों और कैसे कपड़े पहनें।

हर भाई चाहता है कि जब उसकी बहन उसकी कलाई पर राखी बांधे और यह पल जब कैमरे में कैद हो तो वह खुद भी अच्छा दिखे। ऐसे में भाईयों के लिए भी हैंडसम दिखना बेहद जरूरी होता है। इसी के चलते आपको कुछ ऐसे टिप्स जरूर जानना चाहिए, जिनको अपना कर आप भी रक्षाबंधन के दिन हैंडसम देख पाएंगे। अगर आप इन टिप्स को फॉलो करके तैयार होंगे और ट्रेंडी कपड़े पहनेंगे तो आपकी बहनें भी आपकी नजर उतारेंगी।

करें ग्रूमिंग: राखी के दिन तैयार होने के लिए सबसे पहले शेव करें और बालों को सही से सेट कर लें। ये आपके लुक को स्टाइलिश बनाने में मदद करेंगी।

फेस वॉश: राखी के लिए तैयार होने से पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि त्वचा पर किसी तरह की गंदगी ना हो। इसके साथ ही अपने चेहरे को मॉइश्चराइज जरूर करें।



पहनें इस तरह का आउटफिट: राखी के त्योहार पर हैंडसम दिखने के लिए अगर आप चाहें इस तरह का लुक कैरी कर सकते हैं। धोती-कुर्ता के साथ ये जैकेट आपके लुक को पूरा करने में मदद करेंगी। पहन सकते हैं कुर्ता और पैट: अगर आप धोती कुर्ता पहनना नहीं चाहते तो इस तरह का कुर्ता और पैट कैरी करें। ये भी देखने में स्टाइलिश लगता है।

आंखों में रोजाना काजल लगाने के होते हैं नुकसान भी, जानना जरूरी

रोजाना काजल लगाने वाली महिलाओं को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि आप अच्छी गुणवत्ता वाले, नेचुरल और हाइपोएलर्जिक उत्पादों से बने काजल का इस्तेमाल कर रहीं हैं। ये थोड़े महंगे जरूर आएंगे, लेकिन इनसे आंखों को ज्यादा खतरा नहीं रहेगा। यदि आप ऐसा नहीं करेंगी तो आंखों को खतरा बना रहेगा। यहां आंखों में रोजाना काजल लगाने के पांच बड़े नुकसान बताए जा रहे हैं, जिनके बारे में हर किसी को पता होना चाहिए।

इंफेक्शन का खतरा

बाजार में मिलने वाले काजल का इस्तेमाल अगर आप कभी-कभार कर रहे हैं, तब तो ठीक है, लेकिन ज्यादा इस्तेमाल से इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। दरअसल, काजल में हानिकारक रसायन या बैक्टीरिया हो सकते हैं, जो आंखों में संक्रमण का कारण बन सकते हैं। ऐसे में अगर काजल इस्तेमाल कर भी रहे हैं, तो इसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें। बहुत से लोगों को ये नहीं पता होता है कि काजल से आंखों में एलर्जी भी हो सकती है। दरअसल, बाजार में



मिलने वाले कई काजल में ऐसे रसायन तत्व होते हैं जो आंखों में एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इससे आंखों में सूजन, लालिमा और जलन हो सकती है। ऐसे में यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है तो काजल कि इस्तेमाल से बचें। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों की आंखें और भी ज्यादा संवेदनशील होती हैं। यदि आप नियमित रूप से काजल का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आंखों की नलियां बंद हो सकती हैं। जिसकी वजह से आंखों में सूजन, दर्द की समस्या का सामना आपको करना पड़ सकता है।